दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः15 | ग्वालियर, शुक्रवार 27, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

पीएम मोदी ने देश को समर्पित किया तीन सुपर कंप्यूटर परम रुद्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश में बने तीन सुपर कंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किया। उद्धाटन से पहले उन्होंने इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर दी थी। उन्होंने लिखा था, तकनीक

से जुड़े इनोवेशन को बढ़ावा! आज शाम करीब 5ञ्30 बजे, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए, मैं 3 परम रुद्र सुपर कंप्यूटिंग सिस्टम और मौसम और जलवायु के लिए एक हाई परफॉरमेंस कंप्यूटिंग सिस्टम का उद्धाटन करूंगा। मैं अपने युवा मित्रों से विशेष रूप से आग्रह करूंगा कि वे इसमें शामिल हों। बता दें कि इन सुपर कंप्यूटर बेहद तेज और शक्तिशाली होते हैं। ये जटिल गणनाओं को बेहद कम समय में पूरा कर सकते हैं। एक सुपर कंप्यूटर इतनी बड़ी मात्रा में डेटा को एक साथ प्रोसेस कर सकता है, जितना एक साधारण कंप्यूटर कलन्पना भी नहीं कर सकता। इन सुपर कंप्यूटर्स का इस्तेमाल वैज्ञानिक और रिसर्च के कामों में होता है। पीएम मोदी ने जिन तीन नए सुपर कंप्यूटर परम रुद्र को देश को समर्पित कियाउन्हें पुणे, दिल्ली और कोलकाता में लगाया जाएगा। इन कंप्यूटर में लेटेस्ट कटिंग हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसके अधिकांश कंपोनेंट्स का निर्माण और संयोजन भारत में ही किया गया है। सामान्य कंप्टूटर को जिस काम को पूरा करने में 500 साल तक लग जाते हैं उन्हें सुपर कंप्यूटर बहुत कम समय में पूरा कर लेता है। परम रूद्र सुपर कंप्यूटर का इस्तेमाल मौसम पूर्वानुमान, जलवायु, पदार्थ विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। पुणे में विशालकाय मीटर रेडियो टेलीस्कोप फास्ट रेडियो बर्स्ट और अन्य खगोलीयी घटनाओं का पता लगाने के लिए सुपर कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाएगा। दिल्ली में इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर में इस सुपर कंप्यूटर का उपयोग पदार्थ विज्ञान और परमाणु भौतिकी के रिसर्च के लिए किया जाएगा।

किसानों को आंसू छिपाने पड़ते हैं, आरएसएस अडाणी-अंबानी का नाम लेकर बीजेपी पर बरसे राहुल गांधी

चंडीगढ़ः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को हरियाणा के असंध और बरवाला में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में रैली की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने दावा किया कि हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस एकतरफा बड़ी जीत दर्ज करने जा रही है। असंध और बरवाला में उन्होंने क्या-क्या कहा आइए जानते हैं उसकी दस बड़ी बातें। हरियाणा में किसानों से उनका हक छीना जाता है। किसान मेहनत करते हैं, देश को भोजन देते हैं, लेकिन आपको फसलों का सही दाम नहीं मिलता। स्टोरेज टर्मिनल से लेकर कोल्ड चेन तक सब अडानी-अंबानी के हैं। ऐसे में या तो पैसा आपकी जेब में जाएगा, या अडानी-अंबानी की जेब में। इसलिए हमने फैसला किया है कि सरकार आने के बाद आपको स्स्क्कदी जाएगी। नरेंद्र मोदी खुद को नॉन बायोलॉजिकल कहते हैं और अपना कनेक्शन सीधा भगवान से बताते हैं। लेकिन भगवान ने उनको सबक सिखा दिया। इंडिया गठबंधन के नेता अवधेश प्रसाद ने अयोध्या में बीजेपी को चुनाव में हरा दिया। बीजेपी सरकार ने हरियाणा के हर वर्ग को तबाह कर दिया है। युवाओं, किसानों, व्यापारियों से उनकी खुशहाली छीन ली है। हमारा वादा है- हम हरियाणा में खुशहाली वापस लाएंगे, हरियाणा को फिर से समृद्ध बनाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में अडानी-अंबानी और बॉलीवुड के सितारे दिखे, लेकिन कोई गरीब नहीं दिखा। जब किसान से उसका धन छीना जाता है, तो उसके आंसू नहीं दिखते। किसान रो नहीं सकते, उन्हें अपने आंसू छिपाने पड़ते हैं, क्योंकि उन्हें रोता देखकर बच्चे भी रोने लगेंगे। आज जहां देखो सिर्फ अडानी-अंबानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है। सच्चाई यही है- काले कृषि कानून से लेकर त्रस्ज्ञ, नोटबंदी तक इन्हीं लोगों को फायदा

पहुंचाने के लिए लाए गए थे। मैंने अमेरिका में युवाओं से पूछा कि क्या आप अपने परिवार से मिलते हैं। उन्होंने कहा- राहुल जी हम 10 साल के लिए अपने माता-पिता, बच्चों और परिवार से नहीं मिल पाएंगे। मुझे कहा गया कि जब मैं हिंदुस्तान लौटूं तो 5 मिनट के लिए उनके परिवारों से मिलकर ये बताऊं कि वे ठीक हैं। क्योंकि फोन पर परिवार के लोग उनके सही-सलामत होने की बात पर यकीन नहीं करते। राहुल गांधी ने लोगों से यह भी वादा किया कि अगर कांग्रेस राज्य में सत्ता में आती है, तो वे 500 रुपये में गैस उपलब्ध कराएंगे, लोगों को 2 लाख नौकरियां प्रदान करेंगे और किसानों को एमएसपी की गारंटी देंगे। ÷महिला शक्ति (महिला सशक्तिकरण) के लिए, हम हर महीने 500 रुपये की गैस देंगे, हम युवाओं को दो लाख नौकरियां देंगे। किसान को एमएसपी की गारंटी और फसल नष्ट होने पर बीमा राशि और गरीबों के लिए घर। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा के लोगों ने भारत के कमजोर वर्गों को अधिकार देने वाले संविधान को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि देश भर में जाति जनगणना कराना महत्वपूर्ण है, उन्होंने दावा किया कि अधिकांश संस्थान आरएसएस कैडरों को दिए गए हैं, और जहां भी आरएसएस मौजूद है, वहां कोई भी हाशिए पर मौजूद वर्ग मौजूद नहीं है। सारी संस्थाएं आरएसएस के लोगों को सौंप दी गई हैं। जिस भी संस्था में आरएसएस के लोग मौजूद हैं वहां आपको कोई दलित, पिछड़ा या आदिवासी नहीं मिलेगा। चुनाव आयोग ने नौकरशाही को अपने लोगों से भर दिया है। नरेंद्र मोदी ने जितना पैसा अडानी-अंबानी को दिया है। उतना पैसा हम देश के किसानों, गरीबों, बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को देंगे। ये काम आज नहीं तो कल होगा। मीडिया को जो बोलना है बोले- मुझे फर्क नहीं पड़ता।

योगी ने यूपी को दंगामुक्त और न्याय की धरती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित इमामबाड़े में अश्लील वीडियो की शूटिंग से शिया मुसलमान परेशान हो चुके हैं। इस परेशानी से निपटने के लिए शिया वक्फ बोर्ड ने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है। शिया वक्फ बोर्ड की तरफ से कहा गया है कि योगी आदित्यनाथ खुद एक धर्मगुरू हैं। ऐसे में उनसे धार्मिक स्थलों के संरक्षण की उम्मीद की जाती है। शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने योगी सरकार से शिकायत की कहा कि लखनऊ इमामबाड़े में अश्लील डांस वीडियो बनाए जा रहे है, जिसे रोका जाना चाहिए। शिकायत में कहा गया है कि हर कुछ दिन पर हुसैनाबाद स्थित बड़े इमामबाड़ा (आसिफी इमामबाड़ा) परिसर से सोशल मीडिया पर आ रहे अश्लील डांस वीडियो से पूरी दुनिया में शिया मुसलमानों की भावनाएं आहत हो रही हैं। कई बार की गई शिकायतों के बाद भी हुसैनाबाद ट्रस्ट के जिम्मेदारों की नींद नहीं टूट रही। अगर जिम्मेदार लोग इन इबादतगाहों, जो की आस्था का प्रतीक हैं उनकी इस्मत की रखवाली नहीं कर सकते हैं तो उनको कोई हक नहीं बनता उसकी जिम्मेदारी ओढ़ने का और वहां से तनख्वाह उठाने का। तत्काल रूप से ÷हुसैनाबाद ट्रस्ट डीड÷(मरहूम बादशाह अवध, मोहम्मद अली शाह की वसीयत) के अनुसार कानूनी रास्ते से उसका प्रबंध हस्तांतरित किया जाना चाहिए। शिकायत में कहा गया हम इस सिलसिले में गृह विभाग से भी गुजारिश करते हैं कि लगातार आ रहे अश्लील वीडियो किसी तरह की बड़ी साजिश का हिस्सा भी हो सकते हैं। इस परिसर में इमामबाड़े के अलावा शाही मस्जिद आसिफी भी स्थित है। हो सकता है यह सब असामाजिक तत्वों द्वारा किसी बड़ी साजिश रचने के लिए सुनोयोजित तरीके से कराया जा रहा हो। इसका संज्ञान लें और इसकी जांच होनी चाहिए। हमें प्रदेश के मुखिया जो कि खुद एक धर्मगुरु हैं। महाराज योगी आदित्यनाथ जी से धार्मिक जगहों के संरक्षण की पूरी उम्मीद है। उत्तर प्रदेश को दंगा मुक्त और न्याय की धरती बनाने का श्रेय केवल उन्हीं को जाता है।

मध्य प्रदेश में आपस में भिड़ गए मुसलमानों के दो गुट, एक की मौत, मोहन यादव ने दिए सख्त आदेश

मध्य प्रदेश के शाजापुर में दो पक्षों के बीच बड़े स्तर पर हिंसा हुई है। जानकारी के मुताबिक, जिले के मक्सी इलाके में मुस्लिम समाज के ही 2 गुट आपस में भिड़ गए। इसके बाद दोनों पक्षों की तरफ से जमकर पत्थरबाजी हुई है। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक कई राउंड गोलियां भी चली हैं। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। इलाके तनाव को देखते हुए पुलिस को तैनात किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने दिल्ली से पुलिस को सख्त आदेश जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक, शाजापुर के मक्सी में बीजेपी का मेंबरशिप अभियान चल रहा था। एक गुट ने बीजेपी की मेंबरशिप अभियान से जुड़े समीर मेव नाम के युवक को उसी के घर में घुसकर मारा पीटा, जिसके बाद मुस्लिम समाज के दो गुट आपस में बुरी तरह भिड़ गए। फायरिंग में एक शख्स की मौत गई है जबकि 6 लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। फिलहाल इलाके में भारी तादाद में पुलिस बल को तैनात किया गया है। शाजापुर जिले के मक्सी में दो पक्षों के बीच विवाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घटना के संबंध में दिल्ली से फोन पर उज्जैन आईजी और कमिश्नर से ली जानकारी ली है। सीएम के निर्देश पर उज्जैन आईजी और कमिश्नर ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ मैसेज पर पुलिस की नजर है। घटनास्थल के आस-पास भीड़ ना जमा होने के भी निर्देश दिए गए हैं। शाजापुर के मक्सी में दो पक्षों के उपद्रव के बाद क्षेत्र में तनाव को देखते हुए बाजार बंद हैं। साथ ही स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। प्रशासन ने 28 सितंबर तक के लिए इलाके में धारा 163 लगा दी है। इलाके में चार जिलों की पुलिस फोर्स समेत उज्जैन संभाग की पुलिस फोर्स भी तैनात है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस सीसीटीवी फुटेज और विवाद के वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई करेगी।

जबरन नाम लिखवा कर मिलावट खत्म होगी, मायावती का यूपी सरकार पर निशाना

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने होटल, रेस्तरां, ढाबों आदि पर मालिक या मैनेजर के नाम लिखवाने के आदेश को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। मायावती ने इसे ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति करार दिया है। इसके साध ही मायावती ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर भी बयान दिया है। आइए जानते हैं कि मायवती ने और क्या कुछ कहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि यूपी सरकार द्वारा होटल, रेस्तरां, ढाबों आदि में मालिक, मैनेजर का नाम, पता के साथ ही कैमरा लगाना अनिवार्य करने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि कावंड़ यात्रा के दौरान कार्रवाई की तरह ही ये फिर से काफी चर्चा में है। मायावती ने कहा कि यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम व जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा है। मायावती ने कहा कि वैसे तो खासकर खाद्य पदार्थों में मिलावट आदि को लेकर पहले से ही काफी सख्त कानून मौजूद हैं। फिर भी सरकारी लापरवाही/मिलीभगत से मिलावट का बाजार हर तरफ गर्म है। किन्तु अब दुकानों पर लोगों के नाम जबरदस्ती लिखवा देने आदि से क्या मिलावट का कालाधंधा खत्म हो जाएगा। बसपा प्रमुख मायावती ने तिरुपति मन्दिर में प्रसाद में मिलावट पर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि तिरुपति मंदिर में 'प्रसादम' के लड्डू में चर्बी की मिलावट की खबरों ने देश भर में लोगों को काफी दुखी व उद्वलित कर रखा है और जिसको लेकर भी राजनीति जारी है। धर्म की आड़ में राजनीति के बाद अब लोगों की आस्था से ऐसे घृणित खिलवाड़ का असली दोषी कौन यह चिन्तन जरूरी।

हॉस्टल में टंकी से पानी भरते समय करंट लगने से 2 छात्रों की मौत

मध्य प्रदेश के धार जिले में सरकारी छात्रावास में करंट लगने से दो आदिवासी छात्रों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने बुधवार को छात्रावास के अधीक्षक और आदिवासी कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त को सस्पेंड कर दिया है और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर रिंगनोद में राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ छात्र छात्रावास में हुई। सहायक आयुक्त बृजकांत शुक्ला ने बताया, पानी की टंकी के पास बिजली का तार गिर गया। जब 17 वर्षीय विकास और आकाश टंकी से पानी लेने गए तो वे तार के संपर्क में आ गए। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में शुक्ला को निलंबित कर दिया गया। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने अधिकारियों को मामले की गहन जांच करने और दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से सभी छात्रावासों में निवारक कार्रवाई करने को कहा है, ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्री के निर्देश पर इंदौर संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने सहायक आयुक्त बृजकांत शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जिलाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने छात्रावास अधीक्षक बनसिंह कन्नौज को निलंबित कर दिया है सरदारपुर के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतक छात्रों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

दिल्ली पुलिस और 2 चेन स्नैचर्स के बीच मुठभेड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को ख्याला इलाके में 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये दोनों चेन स्नैचर्स थे और महिलाओं के गहने लूटकर भाग जाते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस के साथ मुठभेढ़ में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों ने 21 सितंबर को चाकू की नोक पर दो महिलाओ से लूट की थी, जिसका वीडियो भी सामने आया था। आरोपियों के बारे में सूचना मिलने के बाद पुलिस ने ट्रैप बिछाया था और मुठभेड़ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। महिलाओं के साथ ये बदमाश लूट की वारदात को कैसे अंजाम देते थे, इसका वीडियो भी सामने आ गया है। एक वीडियो में बदमाश बाइक पर आते हुए नजर आ रहे हैं और इनके हाथ मे बड़ा चाकू है। वे महिला को पकड़कर उसका गला दबा देते हैं और चेन लूट लेते हैं। वहीं, दूसरे में ये बदमाश एक बुजुर्ग महिला को रोककर उसके कान के कुंडल लूटते नजर आ रहे हैं। दोनों ही वीडियो में नजर आ रहा है कि बदमाश तेजी से वारदात को अंजाम देते हैं और मौके से फरार हो जाते हैं। बदमाशों के पकड़ने के लिए पुलिस ने सिविल कपड़ों में अलग-अलग जगहों पर जाकर इन बदमाशों को ट्रेस करने की कोशिश की। आज सुबह पंजाबी बाग इलाके में पुलिस को दोनों बदमाश दिखाई दिए जिसके बाद इनका पीछा किया गया। पुलिस ने इनको रुकने के लिए कहा तो बदमाशों ने पुलिस के ऊपर ही फायर कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए इन दोनों बदमाशों के ऊपर फायर किया, जिसमें दोनों बदमाशो को गोली लगी और वे घायल हो गए। बदमाशों को फिर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। विकास और रमेश के ऊपर इन दोनों लूट की वारदातों के अलावा और भी कई मामले दर्ज है।

हॉस्टल में टंकी से पानी भरते समय करंट लगने से 2 छात्रों की मौत, दो अधिकारी सस्पेंड

मध्य प्रदेश के धार जिले में सरकारी छात्रावास में करंट लगने से दो आदिवासी छात्रों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने बुधवार को छात्रावास के अधीक्षक और आदिवासी कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त को सस्पेंड कर दिया है और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर रिंगनोद में राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ छात्र छात्रावास में हुई।सहायक आयुक्त बृजकांत शुक्ला ने बताया, ऋपानी की टंकी के पास बिजली का तार गिर गया। जब 17 वर्षीय विकास और आकाश टंकी से पानी लेने गए तो वे तार के संपर्क में आ गए। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में शुक्ला को निलंबित कर दिया गया। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने अधिकारियों को मामले की गहन जांच करने और दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से सभी छात्रावासों में निवारक कार्रवाई करने को कहा है, ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्री के निर्देश पर इंदौर संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने सहायक आयुक्त बृजकांत शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

पीएम मोदी ताकतवर हैं लेकिन भगवान नहीं, दिल्ली विधानसभा में बीजेपी पर बरसे केजरीवाल

नई दिल्लीः दिल्ली विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन को संबोधित किया। केजरीवाल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष मुझे और सिसोदिया को जेल से बाहर देखकर दुखी है। पीएम मोदी ताकतवार हैं लेकिन वह भगवान नहीं हो सकते। पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली को ठप करके बीजेपी खुश हो रही है। बीजेपी ने दिल्ली के दो करोड़ लोगों की जिंदगी खराब कर दी। केजरीवाल ने बीजेपी से कहा कि हमने 500 मोहल्ला क्लिनिक बनाया है तो आप 5 हजार बनाओ ना। आपको किसने रोका है।

केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने जो काम बंद करवाएं हैं उसे मैं फिर से चालू करवाउंगा। मैं दिल्ली की जनता को परेशान नहीं होने दूंगा। रावण का भी अभिमान नहीं टिका था। बीजेपी को दिल्ली की जनता चुनाव में करारा जवाब देगी। बीजेपी वालों ने फर्जी केस चलाकर हमारी पार्टी के सीनियर नेताओं को जेल में डाला। मुझे बेइमान साबित करने के लिए बीजेपी ने कोई

हथकंथा नहीं छोड़ा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरे जेल जाने के बाद दिल्ली की सड़कों की रिपेयरिंग नहीं कराई गई। आज हमने जनता से वादा किया है कि सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि 75 साल होने पर बीजेपी ने लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी समेत कई नेताओं को घर पर बैठा दिया। ये नियम नरेंद्र मोदी पर क्यों नहीं लागू होता। दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता के मन में दो बातें हैं। पहली केजरीवाल कट्टर ईमानदार है और दूसरा केजरीवाल जनता के लिए काम करता है। वे(भाजपा) उन दोनों बातों पर चोट करना चाहते थे। उन दोनों बातों पर चोट किया। मुझ पर फर्जी केस किया। सबको जेल में डाल दिया। हमारी पार्टी के 5 सबसे बड़े नेताओं को जेल में डालने के बाद भी हमारी पार्टी मजबूती के साथ खड़ी है। मैं चुनौती देता हूं, आपकी पार्टी के 2 लोगों को जेल में डालने पर वो टूट न जाए। केजरीवाल ने कहा कि मैं 3-4 दिन पहले भाजपा के एक बड़े नेता से मिला। मैंने उससे पूछा कि मुझे गिरफ्तार करके आपको क्या मिला बोला कि आपके पीछे से हमने पूरी दिल्ली ठप्प कर दी। मैं स्तब्ध रह गया कि देश की राजधानी के 2 करोड़ लोगों की जिंदगी खराब करके वे खुश हो रहे हैं। उनका मकसद था आम आदमी पार्टी की सरकार को बदनाम करना ताकि उनको वोट मिल जाएं। 27 साल से भाजपा का दिल्ली में वनवास है। अब ये दिल्ली की जनता को परेशान करके वोट लेना चाहते हैं। आपके पास तो केंद्र सरकार है। केंद्र सरकार के पास अथाह पैसा है। केजरीवाल 500 मोहल्ला क्लीनिक बनाता है आप 5000 मोहल्ला क्लीनिक बनाओ न दिल्ली में। आपको कौन रोक रहा है? जनता बड़ी सयानी है। जनता देखती है, चुप रहती है। वोट वाले दिन जब बटन दबाने जाती है तो अपना गुस्सा जाहिर करती है।

भगवान महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थेः सांसद श्रीमती राय

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। सांसद श्रीमती संध्या राय ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत अटेर विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख जैन धार्मिक स्थल दिगंबर जैन 1008 बरही के अजितनाथ वार्षिक मेला महोत्सव में शामिल होकर जैन मुनि महाराज का आशीर्वाद किया। मेला महोत्सव समिति के पदाधिकारी ने माला एवं साफा पहनकर तथा स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। श्रीमती राय ने जैन समाज के प्रमुख धार्मिक स्थल श्री 1008 दिगंबर जैन 1008 बरही वार्षिक मेला महोत्सव में पहुंच कर समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि क्या कहा कि ÷जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं था उन्हें। हिंसा, पशुबलि,जाति-पाँति के भेदभाव जिस युग में बड़ गए,उसी युग में पैदा हुए महावीर और बुद्ध। दोनों ने इन चीजों के खिलाफ आवाज उठाई। दोनों ने अहिंसा का भरपूर विकास किया। सांसद श्रीमती राय ने कहा कि महावीर जयंती ¬जानें,उनके जीवन और उपदेश से जुड़ीं बातें भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें 24 वें तीर्थंकर है.भगवान महावीर का जन्म करीब ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य

क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था. तीस वर्ष की आयु में महावीर ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्मकल्याण के पथ पर निकल गए.।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो है‌ङ्क अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य. महावीर ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया। सांसद श्रीमती राय ने कहा की प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव जी ने क्षमाबाडी के अवसर पर जैन समाज के लिए जैन समाज कल्याण बोर्ड के गठन का निर्णय लेकर समाज को गौरवान्वित किया है।उन्होंने कहा जितनी भी समस्याएं समाज की होती थी वह इस बोर्ड के माध्यम से समाधान किया जाएगा इससे समाज को भी आत्मनिर्भर और विकास की दिशा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कदम। उन्होंने कहा हर समाज की महिलाओं को विकास की दिशा से जोड़ने के लिए हमारी केंद्र और राज्य की सरकार महिला सशक्तिकरण दिशा को आगे बढ़ने का काम कर रही। का इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम होते रहे जिससे हमारा समाज सनातन धर्म के प्रति जागृत हो वार्षिक मेला में आए हुए समस्त समाज के लोगों को मैं बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती आभा जैन,जिला मंत्री श्रीमती सरोज जैन मालनपुर मंडल अध्यक्ष श्रीमती सोना जैन पार्षद,हेमू राहुल जैन प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़े की अंतर्गत लगाया गया निशुल्क नेत्र शिविर

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर/ सुर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चल रहे सेवा पखवाड़े में ग्राम टुडीला जिला भिंड मध्य प्रदेश में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन सुर्या फाउंडेशन व साइट केयर नेत्र चिकित्सालय सिटी सेंटर ग्वालियर द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें मुख्य चिकित्सक डॉक्टर कृष्णपाल सिंह चौहान जी, एवं सहायक रीना धाकड़ व दिलीप श्रीवास उपस्थित होकर ग्रामवासियों की आँखों की जाँच की एवं आई ड्राप दिया। शिविर में कुल 56 ग्रामवासी आये। जिनमें से 4 को ऑपरेशन हेतु ग्वालियर हॉस्पिटल ले जाया गया। 11मरीजों को चश्मे उपलब्ध करवाने हेतु हॉस्पिटल में बुलाया गया है। ग्राम सरपंच एदल सिंह ने शिविर में आये सभी डॉक्टर की टीम का धन्यवाद किया एवं सूर्या फाउंडेशन द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन के मध्य प्रदेश स्वरोजगार प्रमुख रवि शंकर तिवारी जी ने बताया कि ये सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा आदि के कार्यक्रमों का आयोजन मालनपुर के आसपास 11 गांवों में किये जा जा रहे हैं। जिसमें गाँव के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। इस कार्यक्रम में शिक्षक अरुण राणा, जेएफसी राघवेंद्र सिंह तोमर, राजीव सिंह आदि सभी उपस्थित रहे।

सरिता आगलेचा ने सीआई एमए ऑपरेशनल केस स्टडी पुरा किया

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद¬ करमनघाट समाज की होनहार प्रतिभा सरिता आगलेचा सुपुत्री हंसाराम सीरवी पूर्व अध्यक्ष अलमासगुड़ा बढेर, करमनघाट। मूलनिवासी गांव कोलपुरा, धनला,पाली वर्तमान करमनघाट हैदराबाद सरिता आगलेचा ने चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स सीआई एमए में ऑपरेशनल केस स्टडी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट अकाउंटेंट में कम्प्लीट की।सरिता आगलेचा ने सीआई एम ए ऑपरेशनल केस स्टडी में अपनी प्रबंधन और विर्श्लेषणात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर सरीता को सीरवी समाज करमनघाट के पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओ ने बधाई दी। सरिता आगलेचा ने बताया कि कक्षा 10बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत व 12ह्लद्ध बोर्ड 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, इसके पश्चात डिग्री बीबीए में 9 जीपीए रहा। सरिता के पिता हंसाराम आगलेचा ने बताया कि शरू से ही सरिता की पढाई में अच्छी रूचि रही।

खरगोन तहसील अध्यक्ष बने राजकुमार सोनी

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन। भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रमजी सेन के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष श्री श्याम कुशवाह ने वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सोनी को भारतीय पत्रकार संघ, खरगोन तहसील अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। आपसे आशा है, आप संगठन के उद्देश्य के अनुसार पत्रकार जगत के हितों के लिए सक्रियता से कार्य करेंगे। ऐसी आशा के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना कर बधाई दी है। श्री सोनी को भारतीय पत्रकार संघ के खरगोन तहसील अध्यक्ष बनने पर एआइजे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीजुद्दीन शेख, प्रदेश सचिव उमेश रेवलिया, प्रदेश प्रभारी रंजीतसिंह ठाकुर, संभागीय उपाध्यक्ष ओम रामणेकर, संभागीय सचिव तेज कुमार बर्वे, यूथ विंग प्रदेश संयोजक आमिर शेख, तरुण सोनी, भारत पटेल, आशुतोष पुरोहित, शशि शर्मा, राकेश जायसवाल,आसिफ खान विशाल छटिये, रामेश्वर बड़ोले, संजय पाराशर, ममताराम पाटूद, आलोक गुप्ता, जाकिर खान ,शुभम , लुकमान खत्री , अबूबकर (जिया) , रहिस खान , अबरार , जमीर मंसूरी सहित जिलेभर के पत्रकारों ने बधाई दी है।

राज्य पोषित योजना अंतर्गत 30 कृषकों दल कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण के लिए रवाना

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

26 सितंबर को उद्यान उपसंचालक कार्यालय खरगोन से राज्य पोषित योजना अंतर्गत तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण के लिए 30 कृषकों के दल को इंदौर, उज्जैन, रतलाम एवं मंदसौर जिले के लिए रवाना हुए है। इन जिलों में कृषकों का दल अनुसंधान केन्द्र, कृषि विज्ञान केंन्द्र, उद्यानिकी महाविद्यालय, प्रसंस्करण ईकाइयों एवं प्रगतिशील कृषकों के प्रक्षेत्रों पर उद्यानिकी फसलों की उन्नत तकनीकी के गुर सीखेंगे। कृषकों के दल के साथ दल प्रभारी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री संजय मौर्य एवं विकासखण्ड गोगांवा के उद्यान विस्तार अधिकारी श्री देवेन्द्र पाटीदार ग्रामीण दल के साथ रवाना हुए। प्रशिक्षण सह भ्रमण के लिए कृषकों के दल को खरगोन विधायक प्रतिनिधि श्री संतोष पाटीदार एवं जनप्रतिनिधि श्री महेश पटेल द्वारा हरी झंण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में लंबित प्रकरणों की हुई समीक्षा

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में 26 सितंबर को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विवेचना में लंबित प्रकरणों, राहत राशि के भुगतान एवं पाक्सो एक्ट में निराकृत प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मनोहर बारिया, डीएसपी अजाक्स सुश्री वर्षा सोलंकी, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक संचालक श्री एके गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती आवास्या एवं जिला अभियोजन अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में राहत राशि की स्वीकृति एवं भुगतान के लिए लंबित प्रकरणों की जानकारी दी गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि लंबित प्रकरणों में भुगतान के लिए शासन को राशि का प्रस्ताव भेजा जाए। जघन्य अपराध के जिन प्रकरणों में साक्ष्य के अभाव में या अन्य कारणों से आरोपी बरी हो गया हो तो ऐसे प्रकरणों में अपील की कार्यवाही करने कहा गया। जिन प्रकरणों में अपराधी को सजा हो गई हो तो ऐसे प्रकरणों में उसका मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने कहा गया। जिससे लोग अपराध करने से डरे।

माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम खरगोन जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया ओर पुरानी पेंशन बहाल करने करनेकी मांग किगाई

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन जिले के समस्त अधिकारी कर्मचारी शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा अपनी पुरानी पेंशन बहाल को लेकर खरगोन जिले में जिला मुख्यालय पर आक्रोश रैली निकाली गई जो शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए खरगोन तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया ओर बताया गया कि वो मध्यप्रदेश में समस्त नैशनल पेंशन स्कीम एन पी एस धारी शिक्षक कर्मचारी अधिकारी को पुरानी पेंशन बहाल की जाएं और विशेष तौर पर नविन शैक्षणिक संवर्ग अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा में वरिष्ठता मानकर पेंशन ग्रेच्युटी ओर अवकाश नगरीकरण आदि में इसका लाभ दिया जाएं देश के लगभग एक करोड़ नैशनल पेंशन स्कीम एन पी एस धारी केंद्रीय एव राज्य सरकार के समस्त शिक्षक कर्मचारी अधिकारी अर्ध सैनिक बलों को पूर्व प्रचलित पुरानी पेंशन बहाल किया जाएं बिन्दु वार ज्ञापन सौंपा गया।

ग्वालियर आईजी अरविंद सक्सेना ने किया डबरा सिटी थाने का निरीक्षण, थाने की व्यवस्थाओं पर जताई नाराज़गी

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर आईजी अरविंद सक्सेना ने डबरा सिटी थाने का औचक निरीक्षण किया, जिसमें थाने की व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आईजी ने अपराधी सेल, मलखाना, रिकॉर्ड रूम सीसीटीएनएस और रोजनामचा की विस्तार से जांच-पड़ताल की। उन्होंने पाया कि सभी व्यवस्थाओं में सुधार की सख्त जरूरत है और थाने की संचालन प्रणाली को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

अपराधी रिकॉर्ड बोर्ड पर नाराज़गी–आईजी सक्सेना का ध्यान अपराधी रिकॉर्ड बोर्ड की ओर गया, जिसे आज ही लगाया गया था। बोर्ड छोटा था और उस पर बारीक अक्षरों में लिखे अपराधी रिकॉर्ड को देख आईजी ने नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि बोर्ड को बड़ा बनाया जाए और अक्षरों को स्पष्ट व पढ़ने योग्य रखा जाए, ताकि अपराधियों के बारे में जानकारी आसानी से देखी और समझी जा सके।

मलखाना और रिकॉर्ड रूम की अव्यवस्था–मलखाना और रिकॉर्ड रूम की अव्यवस्था पर भी आईजी ने

सख्त टिप्पणियां की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी वस्तुओं का सही से रख-रखाव और दस्तावेजों का अद्यतन हो, ताकि किसी भी आपराधिक मामले की जानकारी आसानी से मिल सके।

सीसीटीएनएस प्रणाली में सुधार के निर्देश–आईजी सक्सेना ने सीसीटीएनएस प्रणाली की समीक्षा करते हुए इसे और प्रभावी बनाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपराधियों की ट्रैकिंग और आपराधिक रिकॉर्ड को सही से अपडेट किया जाए, ताकि कोई भी जानकारी अप्राप्त न रहे।

रोजनामचा की समीक्षा और आरक्षकों से संवाद–रोजनामचा की समीक्षा करते हुए आईजी ने पाया कि इसमें भी सुधार की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह नियमित रूप से अद्यतन किया जाए। इसके बाद, आईजी सक्सेना ने सभी आरक्षकों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पुलिसकर्मियों को काम के प्रति अधिक समर्पण और सतर्कता बरतने की सलाह दी, ताकि कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

समग्र सुधार के निर्देश–आईजी अरविंद सक्सेना ने अपने निरीक्षण के बाद स्पष्ट किया कि थाने में सुधार की आवश्यकता है और सभी जिम्मेदार पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का सही से निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता जनता की सुरक्षा और अपराधों पर नियंत्रण होना चाहिए, और इसके लिए आवश्यक है कि थाने की व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रहें। निरीक्षण के दौरान ग्वालियर प्रभारी एसपी राकेश कुमार सगर, एडिशनल एसपी देहात निरंजन शर्मा, एसडीओपी डबरा विवेक शर्मा, नगर निरीक्षक सिटी थाना प्रभारी यशवंत गोयल सहित पूरा पुलिस अमला मौजूद रहा।

नगर परिषद दबोह में सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर परिषद दबोह में मेडिकल ऑफिसर द्वारा सफाई कर्मचारियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।इस दौरान दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉ.सोनू शर्मा ने नगर परिषद कार्यालय दबोह पहुँचकर नगर की सफाई की जिम्मेदारी से निभाने वाले सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुगर,ब्लडप्रेशर,ब्लड टेस्ट आदि परीक्षण किया।इस दौरान डॉ.सोनू शर्मा ने सफाई मित्रों को स्वस्थ जीवन के महत्व से अवगत कराया तथा उनके द्वारा नगर की सफाई में योगदान की सरहाना की।उन्होंने कहा कि नगर साफ एवम स्वच्छ रखने में अपनी अहम भूमिका निभाने वालो की स्वास्थ्य की चिंता करना हमारा अधिकार है क्यों कि वह नगर को साफ एवम स्वच्छ रखने में सुबह से ही सफाई में जुट जाते हैं और सुबह हमारे जागने तक नगर को साफ सुथरा कर देते हैं।इसलिए ई के स्वास्थ्य की चिंता करना हमारा कर्तव्य है।इस दौरान नगर परिषद में नरेंद्र दुधारिया,अरविंद गुप्ता,सुधीर तिवारी,अरुण तिवारी,संजीव यादव,रोहित कोठारी आदि मौजूद रहे।

जिला चिकित्सालय मुरैना में सर्जिकल कैम्प का आयोजन

जितेन्द्र त्यागी जिला ब्यूरो

मुरैना। जिला चिकित्सालय मुरैना के सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक द्वारा एक सर्जिकल कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सक टीम ने जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। कैम्प का आयोजन मुख्य रूप से जर्नल सर्जरी विभाग में किया गया, जिसमें डॉ. अनुपम चौहान (सर्जन) और डॉ. माधुरी सिंह (एनस्थीसिया विशेषज्ञ) की देखरेख में करीब 15

मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि इस कैम्प में मरीजों को बिना किसी शुल्क के उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं दी गईं। कैम्प में ताज्जुब की बात यह रही कि ऑपरेशन के बाद मरीजों को किसी भी प्रकार की जटिलताओं का सामना नहीं करना पड़ा और वे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। इस कैम्प का प्रमुख उद्देश्य उन मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सेवा प्रदान करना था जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और निजी अस्पतालों में इलाज कराने में असमर्थ हैं। इस अवसर पर अस्पताल स्टाफ ने महत्वपूर्ण योगदान दिया और सर्जरी के दौरान पूरे समय सतर्क रहे। सर्जरी के बाद मरीजों को जरूरी चिकित्सकीय देखरेख प्रदान की जा रही है और अस्पताल प्रशासन ने मरीजों की तेजी से रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। इस सफल आयोजन के लिए अस्पताल प्रशासन को मरीजों और उनके परिजनों से सराहना मिली है।

बिजली कम्पनी में पदस्थ कनिष्ठ यंत्री की कारगुजारियों से मौ क्षेत्र में मचा हाहाकार

किसान नेताओं ने भिंड जिलाधीश के नाम मौ तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, समस्या समाधान न होने पर आन्दोलन तेज करेंगे

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

भिंड, मौ। मध्यप्रदेश किसान सभा एवं किसान यूनियन के नेता आज मौ गौलमबर पर एकत्रित हुए। वहां से जुलूस बनाकर नारेबाजी करते हुए पुरानी नगर पालिका मौ पहुंचे। वहां जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा

को किसान सभा के जिला अध्यक्ष, गोहद नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष प्रेम नारायण माहौर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मौ बिजली कम्पनी में पदस्थ कनिष्ठ यंत्री लोकेन्द्रसिंह राणा की कारगुजारियों से मौ क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है। बिभाग के कर्मचारियों को छोड़कर उक्त कनिष्ठ यंत्री ने कुछ प्राईवेट लोगों की गैंग तैयार की है।यह गैंग बिजली चौरी के झूठे प्रकरण बनाने की धमकी देकर, लोगों को डरा धमकाकर धन उगाही में लगी है।जिन लोगों इनको मोटी रकमें नहीं दी।उन सैकड़ों लोगों के बिजली चोरी के प्रकरण बनाए जा चुके हैं। सभा को सम्बोधित करते हुए मध्यप्रदेश किसान सभा के जिला महासचिव राजेश शर्मा ने कहा कि उक्त कनिष्ठ यंत्री की कारगुजारियों से सरकार के मंत्री, बिधायक एवं प्रशासन के आला अधिकारी से लेकर बिभाग के अधिकारी सब बाकिफ है। लेकिन भ्रष्टाचार से लूटीं गई राशि का बड़ा हिस्सा इन तक पहुंच रहा है। इसलिए इसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो पा रही। उक्त कनिष्ठ यंत्री इनके लिए कमाऊं पूत बना हुआ है। भाजपा सरकार में बैठे नेता मौ गोहद क्षेत्र को चारागाह समझने लगे हैं।यह सपना उनका पूरा नहीं हो पाएगा। किसान नेता ने कहा कि भा ज पा के राज में एक तरफ जनता परेशान हैं तो दूसरी तरफ सत्ता पार्टी के नेता अपनी तिजोरियां भरने में लगे हुए हैं। किसान नेता ने कहा कि 8 दिन पहिले उक्त कनिष्ठ यंत्री का एक आडियो वाईरल हुआ है। जिसमें यह अपने अधीनस्थ कर्मचारी को सी टी खराब करने के निर्देश दे रहा है। जिसकी कीमत लगभग 25 हजार होती है। यदि कोई लोकसेवक लोक सम्पत्ति को ही नष्ट करबा रहा है तो यह अपराध की श्रेणी में आता है। इनके खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज होना चाहिए। इस सम्बन्ध में भारत की जनवादी नौजवान सभा के राज्य महासचिव भूपेंद्र सिंह गुर्जर ने मौ एस आई को आवेदन सौंपा। अन्त में भिंड कलेक्टर के नाम मौ तहसीलदार श्रीमती माला शर्मा को किसान नेताओं ने ज्ञापन सौंपा। और समाधान न होने पर आन्दोलन तेज करने की बात कही। आन्दोलन में किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष जयराज सिंह राणा भी मोजूद थे आन्दोलन में किसान सभा के जिला के पदाधिकारी बीरेंद्र सिंह कुशवाहा, ओमप्रकाश बाथम, राजेन्द्र सिंह कुशवाहा, जगदीश माहौर, नाथूराम माहौर, महेश प्रजापति, शिवकुमार शर्मा, नारायण माहौर, राकेश प्रजापति,सुघर सिंह प्रजापति, उमाशंकर कटारे,बिबेक राना, अनंतराम माहौर, तिलक सिंह पवैया, रामनारायण शर्मा आदि मौजूद थे।

शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय मै हिन्दी दिवस धूमधाम से मनाया

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु ¬ शहर के सुप्रसिद्ध शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय के हिंदी विभाग के हिंदी संघ के द्वारा आयोजित हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े धूमधाम से सुसम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजयनगर, बेंगलुरु के प्रसिद्ध मारुति मेडिकल्स के मालिक, अंबा संस्था के संस्थापक महेंद्र मुणोत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.जी. भास्कर ने की थी। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान -गीत-गायन, कुमारी अनन्या द्वारा ईश्वर की स्तुति और कुमारी रितिका सुरेंद्रन के स्वागत नृत्य से हुई। आमंत्रित एवं उपस्थित सभी विद्वज्जनों का स्वागत हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. सौम्या बी.एल ने किया तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संस्कृति के प्रतीक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा मुख्य अतिथि के रूप में पधारे महेंद्र मुणोत के जीवन एवं उपलब्धियों का परिचय डॉ. सौम्या बी.एल. ने दिया। इसके बाद महेंद्र मुणोत पर बनी डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। हिन्दी विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी इस अवसर पर प्रदर्शित की गई। तत्पश्चात महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास हेतु आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि और प्राचार्य के करकमलों से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किये गये। इसके अलावा तीन वर्षों तक हिंदी विभाग के सभी कार्यक्रमों के

आयोजन में सहयोग करने वाले सभी विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र वितरित किये गये। अनेक विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के महत्व एवं शिक्षण उद्देश्यों पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने अतिथि-भाषण में देश-भाषा, बोली-प्रदेश और संस्कृति एवं परंपरा के बारे में बताया कि हर भाषा का अपना महत्व है, भारत जैसे देश को एक राष्ट्रभाषा की आवश्यकता है और वह इसे पूरा करने की ताकत हिन्दी भाषा मात्र रखती है। आपका सम्मान और प्रशंसा करनेवाले हर किसी का कहना यही है, कि हिंदी उनकी मातृभाषा है और कन्नड़ उनकी पसंदीदा भाषा है, उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी को दिए जाने वाले महत्व की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी को बढ़ावा देने की जरूरत है और क्षेत्रीय भाषा की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। उनके एक-एक शब्द ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने उनके भाषण पर बहुत खुशी और उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने अपने भाषण से युवाओं को प्रेरित किया। फिर स्वयं महेंद्र मुणोत द्वारा निर्मित देश भक्ति डॉक्यूमेंट्री %भारत ही भारत है% का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.जी. ने की थी। आपने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी भाषा के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में भाषा का योगदान अतुलनीय है। बाद में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एनएस शास्त्री ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सहयोग दिये गये सब के प्रति आभार व्यक्त किये। बाद में सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। मंच संचालन कुमारी खुशी चावत ने किया।

संपादक की कलम से

खुद को कठपुतली साबित करने पर आमादा हैं आतिशी

सदियों के राजतंत्र, लम्बी सामंतशाही व्यवस्था तथा 200 वर्षों की औपनिवेशिक दासता से लम्बा संघर्ष कर मुक्त होने वाले भारत के नवसामंतों को राजशाही का चस्का है। जब लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी धार्मिक विधि-विधानों के साथ और पौराणिक काल के डिजाइनर परिधानों में लिपटकर लोकतंत्र की सर्वोच्च आसंदी के बगल में मध्यकालीन सैंगोल का इवेंट रच सकते हैं, तो उनके नक्शे-कदम पर चलने वाली आम आदमी पार्टी की दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना सिंह अपनी कुर्सी की बगल में भला क्यों नहीं एक कुर्सी खाली छोड़ सकतीं, जो एक तरह से खड़ाऊ राज का प्रतीक है।

आप को सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों की पार्टी कहा जाता है और आतिशी की तो उच्च शिक्षा ऐसे देश में भी हुई, जो अपनी लोकतांत्रिक परिपक्वता के लिये जाना जाता है। उनके माता-पिता मार्क्स और लेनिन से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम इन दोनों नामों के थोड़े-थोड़े अक्षरों से मिलाकर रखा था। हालांकि यह आश्चर्य की बात है कि वामपंथ से प्रभावित उनके अभिभावकों ने आतिशी को पढ़ने रूस या किसी साम्यवादी देश में न भेजकर एक पूंजीवादी देश ग्रेट ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भेजा था। यहां 'थ्री इडियट्स' के रैंचो को उद्धृत किया जा सकता है, जो कहता है कि 'ज्ञान जहां से मिले बटोर लेना चाहिये।' (चाहे मास्को विवि हो या हार्वर्ड अथवा गलगोटिया विवि।)

... तो अपनी ऊंची तालीम, दिल्ली सरकार में बतौर शिक्षा मंत्री के रूप में किया गया उनका चमकदार प्रदर्शन, शिक्षितों के संगठन आप की नेता होने की सारी उपलब्धियों को खाक में मिलाते हुए इन काबिल मोहतरमा ने अपनी बगल में यह कहकर एक कुर्सी खाली छोड़ दी, कि वह उनके गुरू व नेता अरविंद केजरीवाल की है। संदर्भः भरत का अजुध्या में चलाया गया खड़ाऊ राज। यानी वे नाममात्र के राजा थे। 14 वर्षों का स्टॉपगैप अरेंजमेंट-अस्थायी व्यवस्था। जब राजा राम वनवास से लौटे तो भरत ने गद्दी सौंप दी। कुछ इसी तर्ज पर आतिशी ने संदेश दिया है कि इस कुर्सी पर असली हक तो केजरीवाल का है। वे तो परिस्थितियों के कारण यह काम सम्हाल रही हैं- भरत की तरह अनिच्छा से। जैसे भरत 14 वर्षों से इस अपराध भाव से राज करते रहे कि वे किसी और का हक मार रहे हैं। एक शासक जो खुद को ही प्रॉक्सी मान रहा हो, क्या उससे प्रशासकीय कुशलता तथा न्याय की उम्मीद की जा सकती है? भरत ने राजा के रूप में जब काम किया होगा तो यह भाव तो उनमें भी आया ही होगा। बहरहाल, रामकथा को एक ओर रख दिया जाये। कहते हैं कि महान मराठा शासक शिवाजी ने भी अपना राज-काज अपने गुरू रामदास समर्थ के नाम से ही चलाया था। एक ओर आध्यात्मिक पुंज की प्रेरणा तो दूसरी ओर उनकी माता जीजा के मार्गदर्शन में उन्होंने जैसा भी राज किया वह राजशाही के अंतर्गत की गयी व्यवस्था ही थी।

आतिशी तो लोकतांत्रिक पार्टी की नेता हैं। केजरीवाल द्वारा पद छोड़े जाने के बाद उन्हें विधायक दल का नेता एक निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत चुना गया है। बगल में एक और कुर्सी लगाकर आतिशी ने उस संविधान सम्मत प्रक्रिया पर ही पानी फेर दिया है। वैसे तो उनके पास एक नायाब मौका है कि वे अपनी कार्य कुशलता और योग्यता का परिचय दें। उनकी पार्टी कठिन दौर से गुजर रही है। एक ओर उनके असली सीएम के हाथ-पांव बांध दिये गये हैं, तो वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के लेफ्टी. गवर्नर भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर पूरी पार्टी को ही नेस्तनाबूद करने पर तुले हैं। वैसे में आतिशी के पास खुद को साबित करने का मौका है। उन्हें बचे समय में दिल्ली के बहुत से काम करने हैं और उनके पास यह भी अवसर चलकर आया है कि दिल्ली विधानसभा का अगला चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जायेगा- सीएम होने के नाते। तो उन्होंने इस मौके पर अलग कुर्सी लगाकर बाकायदे ऐलान कर दिया कि आखिरकार वे हैं तो किसी के हाथों की कठपुतली ही। लड़ाई तो एलजी के हाथों की कठपुतली बनने से इंकार करने की लड़ी जा रही थी। आप एक के हाथ की कठपुतली बनने से तभी इंकार कर सकते हैं जब आप किसी की भी कठपुतली न बनें। देश में ऐसे कई उदाहरण हैं कि किसी को किसी की कृपा से कोई पद तो मिलता है, लेकिन उसे अपनी स्वतंत्र सत्ता साबित करनी होती है। आज भाजपा की इसीलिये तो आलोचना होती है कि उसने सभी को मोदी और उनके खासमखास अमित शाह के हाथों की कठपुतली बना दिया है। वे तो मजबूरी में बने हैं- आतिशी मैडम तो स्वघोषित कठपुतली बन बैठी हैं। ऐसे में उनका इकबाल कैसे कायम होगा? हो सकता है कि आतिशी ने स्वयं को निष्ठावान साबित करने के लिये ऐसा किया हो, पर यह है तो लज्जाजनक ही। पता नहीं यह आइडिया उनका खुद का था या उन्हें पार्टी नेतृत्व ने ऐसा करने के लिये निर्देशित किया था। यदि किसी ने कहा भी हो तो उन्हें मना कर देना था और ऐसे पद को स्वीकार ही नहीं करना था।

आइए जानें, युवाओं में क्यों में बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले

नई दिल्ली। पहले हार्ट अटैक के मामले अधिक उम्र के लोगों में ही देखने को मिलते थे, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह जिस तेजी के साथ युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहा है, उसकी वजह से भारत का हर दूसरा युवा इससे चिंतित है। हर युवाओं के जेहन में महज यही सवाल रहता है कि आखिर अपनी जीवन शैली में ऐसे कौन से फेरबदल करें, जिससे हार्ट अटैक से खुद को महफूज रखा जा सके।

डॉक्टर बताते हैं कि प्रायः ब्लड फ्लो कम होने या अवरुद्ध होने की वजह से हार्ट अटैक के मामले युवाओं में देखने को मिलते हैं। इस तरह की स्थिति तब पैदा होती है, जब कोरोनरी धमनियों में वसा और कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाता है।

चिकित्सकीय भाषा में इस जमाव को ह्यप्लाकह्न कहा जाता है। प्लाक का जमा होना धमनियों को संकीर्ण कर सकता है। इससे ब्लड फ्लो कम होता है। इसी वजह से हार्ट अटैक के मामले युवाओं में देखने को मिलते हैं।

डॉटर हार्ट अटैक के पीछे की कई वजह बताते हैं।

आमतौर पर युवाओं में हार्ट अटैक का खतरा खराब जीवन शैली, व्यायाम का अभाव, तैलीय पदार्थ का सेवन, जंक फूड के खाने से बढ़ सकता है। नींद की कमी के कारण भी युवाओं में हार्ट अटैक के मामले बढ़ सकते हैं।

डॉक्टर बताते हैं कि अगर आप प्रतिदिन आधे घंटे एक्सरसाइज करें, तो इससे आप हार्ट अटैक को खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। अपने आहार में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज का इस्तेमाल करें और धूम्रपान, शराब और सिगरेट का सेवन करने से गुरेज करें, क्योंकि इस तरह के पदार्थों के सेवन से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

वहीं, नींद का अभाव भी हार्ट के खतरे को बढ़ाता है। लिहाजा प्रतिदिन 7-8 घंटे नींद प्रत्येक व्यक्ति को लेना अनिवार्य है। इसके अलावा, समय-समय पर हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल जैसे टेस्ट कराते रहिए, इससे आपको अपनी स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में पता रहेगा।

सरंक्षित हों तीर्थस्थल की हिन्दू वंशावलियों की पंजिका

- अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हिंदू तीर्थस्थल धार्मिक मान्यताओं और पूजन अर्चन के लिए विख्यात है। इन सब कार्य को इन स्थलों के ब्राह्मण पंडित कराते हैं। ये ब्राह्मण पंडित पंडा कहे जाते हैं। ये पंडा सदियों से एक कार्य करते और कराते आ रहे हैं। ये पंडा अपने पास आने वाले यजमान(भक्तों)के परिवार का इतिहास अपनी बहियों में संजोते जा रहें हैं। ये काम सदियों से अनवरत रूप से जारी है। ये हिन्दू वंशावलियों की पंजिकाएं एतिहासिक धरोहर हैं। आज इनके संरक्षण की आवश्यक्ता है। इनके संजोकर रखने की आवश्यक्ता है। हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम यान के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नही कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकार्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। अधिकतर भारतीयों व वे परिवार जो विदेश में बस गए उनको आज भी पता नहीं कि इन तीर्थस्थल की पंडो की बहियों में उनके परिवार की वंशावली दर्ज है। हिन्दू परिवारों की पिछली कई पीढ़ियों की विस्तृत वंशावलियां इन पंडा के पास संग्रहित हैं।ये पंडा आने वाले यजमान से उसके परिवार की जानकारी नोट करने के बाद उसके हस्ताक्षर कराकर बही में अपने पास रखते हैं। ये पंडा ये बहियां अपनी आने वाली अपनी पीढ़ी को सौंपते जाते हैं। ये बहियां जिलों व गांवों के आधार पर वर्गीकृत की गयीं हैं।प्रत्येक जिले की पंजिका का विशिष्ट पंडित होता है। यहाँ तक कि भारत के विभाजन के उपरांत जो जिले व गाँव पाकिस्तान में रह गए व हिन्दू भारत आ गए उनकी भी वंशावलियां यहाँ हैं। कई स्थितियों में उन हिन्दुओं के वंशज अब सिख हैं, तो कई के मुस्लिम अपितु ईसाई भी हैं। किसी - किसी की सात वंश या उससे भी ज्यादा की जानकारी पंडों के पास रखी इन वंशावली पंजिकाओं से होना साधारण सी बात है।

शताब्दियों पूर्व से हिन्दू पूर्वजों ने हरिद्वार या किसी पावन नगरी की यात्रा की। तीर्थयात्रा के लिए या/ शव- दाह या स्वजनों के अस्थि व राख का गंगा जल में किया होगा तो वे संबद्ध पंडा के पास गए होंगे। ये पंडा इन आने वालों के रहने खाने तक की वयवस्था करते हैं। इन पंडाओं ने अपनी पंजिका में वंश-वृक्ष को संयुक्त परिवारों में हुए सभी विवाहों, जन्म व मृत्युओं के विवरण दर्ज किया हुआ हैं। वर्तमान में धार्मिक स्थल पर जाने वाले भारतीय हक्के- बक्के रह जाते हैं जब वहां के पंडित उनसे उनके अपने वंश- वृक्ष को नवीनीकृत कराने को कहते हैं।

आजकल जब संयुक्त हिंदू परिवार का चलन खत्म हो गया है। लोग एकल परिवारों को तरजीह दे रहे हैं, ये पंडित चाहते हैं कि आगंतुक अपने फैले परिवारों के लोगों व अपने पुराने जिलों- गाँवों, दादा-दादी के नाम व परदादा- परदादी और विवाहों, जन्मों और मृत्यु, परिवारों में हुए विवाह आदि की पूरी जानकारी के साथ वहां आएं। आगंतुक परिवार के सदस्य को सभी जानकारी नवीनीकृत करने के उपरांत वंशावली पंजीका को भविष्य के पारिवारिक सदस्यों के लिए व प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षरित करना होता है। साथ आये मित्रों व अन्य पारिवारिक सदस्यों से भी साक्षी के तौर पर हस्ताक्षर करने की विनती की जा सकती है।

इन तीर्थ स्थल के पुरोहितों के पास देश और दुनिया भर के यजमानों का दशकों पुराना लिखित रिकॉर्ड वंशावली के रूप में मौजूद है। किसी यजमान के आने पर चंद मिनटों में ही संबंधित पुरोहित कंप्यूटर से भी तेज गति से वंशावली देखकर उनके पूर्वजों की जानकारी दे देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान इन तीर्थ स्थल पर आने वाले लोग अपने तीर्थ पुरोहितों के पास आकर वंशावली में अपने वंश के बारे में जरूर जानते हैं। ये पंडे जनपद के हसाब से हैं। तीर्थ स्थल में पहने वालों को पता है कि किस जनपद के पंडा कौन हैं। किसी दूसरे के यजमान को कोई अन्य पंडा खुद क्रिया- कर्म नही कराता। संबधित जिले के पंडा के पास उसे भेज देता है।

शताब्दियों से हो रहा ये लेखन भोज पत्रों और ताम्र पत्रों के बाद अब कागज की बहियों पर शुरू किया गया। तीर्थ पुरोहितों के पास सैकड़ों वर्ष पुरानी बहियां आज भी सुरक्षित हैं। तीर्थ पुरोहितों की बहियों में देश भर के राजाओं, महाराजाओं, साधु, संतों, राजनेताओं एवं आम लोगों के परिवारों के वंश लेखन बहियों में मौजूद हैं। अकेले हरिद्वार में 30 हजार से अधिक की संख्या में वंशावली की बहियां सुरक्षित और संरक्षित हैं। इन बहियों में लेखन करने के लिए अलग स्याही तैयार करके तीर्थ पुरोहित वही लेखन करते हैं, जो काफी वर्षों तक सुरक्षित रहती है। इन वंशावलियों में जातियों, गोत्रों, उपगोत्रों का भी जिक्र रहता है। सबसे अहम बात इन बहियों में देखने को मिलती हैं कि तीर्थ पुरोहितों ने लेखन को भेदभाव से दूर रखा है। जहां राजाओं, महाराजाओं की वंशावलियां जिस क्रम में अंकित हैं, उसी क्रम में तीर्थ नगरी में पहुंचने वाले अन्य श्रद्धालुओं की हैं।

विभिन्न राजवंशों की मुद्रांए, हस्त लेखन, दान पत्र, अंगूठे और पंजों के निशान बहियों में मौजूद हैं। यहां की वंशावलियों में देश की कई रियासतों के राजाओं के आने के उल्लेख दर्ज हैं।

अक्तूबर २००७ में हमें इंडियन वर्किंग जर्नलिस्ट की एक कांफ्रेस में बद्रीनाथ जाने का अवसर मिला। मेरे साथ गए मेरे दोस्त नरेंद्र मारवाड़ी भी थे। हम मारवाड़ी के साथ बद्रीनाथ में, अजमेर के महावर वालों की धर्मशाला में चले गए। ये मारवाड़ी के परिवारवालों की धर्मशाला हैं। वहां पंडित जी से बात की।वंशानुक्रम के बारे में बताया। बात करते-करते पंडित जी ने अपनी बही खोलकर उनके गोत्र का विवरण खोला तो पता चला कि मारवाड़ी के पिता जी 41 वर्ष पूर्व यहां यात्रा को आए थे। यात्रा को आने के बाद हुए उनके दो बच्चों का विवरण दर्ज नहीं थे। पंडित जी ने बही देखकर बताया कि ९३ साल पूर्व उनके दादा जी बद्रीनाथ आए थे। दोनों के आने की तिथि तक वही में दर्ज थी। उनके हस्ताक्षर भी बही में मौजूद थे। मित्र को अपने बाबा का नाम ज्ञात था। यहां बही से उन्होंने अपने बाबा के पिता उनके भाई, बाबा के दादा और उनके भाईयों आदि का विवरण नोट किया। पंडित जी ने अपनी वही में मित्र से अपने और उनके बच्चे, भाई और भाइयों के बच्चों की जानकारी नोट की। नीचे तारीख, माह,सन डालकर हस्ताक्षर कराए।

सदियों से चले आ रहा इतिहास को संजोकर रखना एक दुरूह कार्य है। इस कार्य को ये पंडे सुगमता से पीढ़ियों से करते चले आ रहे हैं। आज इस इतिहास को संजोने और संरक्षण की जरूरत है। अच्छा रहे कि इनका कंप्यूटरीकरण हो जाए। बहियों को लेमिनेट करके भी संरक्षित किया जा सकता है। कैसे भी हो , ये होना चाहिए, नही तो समय के साथ ये गलता और खराब होता चला जाएगा। ये काम इनके व्यक्तिगत स्तर से संभव नही। सरकार को अपने स्तर से कराना होगा, तभी ये संभव हो पाएगा।

विदेश नीति और कूटनीति में असफलता के नुकसान

दुनिया की एकमात्र महाशक्ति होने का दावा करने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति का सामान्य ज्ञान शायद इतना कम नहीं होगा, और हो सकता है यह बात उन्होंने मजाक में कही हो। क्योंकि अपने इस निकृष्ट स्तर के मजाक के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अपना मित्र भी बताया। मोदी-बाइडेन के बीच अनुमानित मजाक के इन क्षणों का वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध है, जिसे पाठक देख कर समझ सकते हैं कि अमेरिका और भारत दोनों किस तरह कूटनीतिक तकाजों में चूकते जा रहे हैं। क्वाड का मंच अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग के लिए बना है, इस तरह के ओछे मजाक के लिए नहीं। अगर जो बाइडेन और नरेन्द्र मोदी में गहरी दोस्ती है, तब भी इसमें कूटनीतिक शिष्टाचार को परे नहीं किया जाना चाहिए। नरेन्द्र मोदी इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को केवल बराक कहकर या डोनाल्ड ट्रंप के लिए अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर भारत की शर्मिंदगी का सबब बन चुके हैं, इस बार जो बाइडेन ने नरेन्द्र मोदी को टक्कर दे दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के बारे में यह अभद्र टिप्पणी करने से पहले एक और गलती की थी, जब क्वाड देशों के राष्ट्राध्यक्षों का परिचय कराने के सिलसिले में वे प्रधानमंत्री मोदी का नाम ही भूल गए थे। अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत, इन चार देशों ने ही क्वाड का गठन किया है और इसमें जो बाइडेन को अपने अलावा तीन और लोगों का परिचय कराना था, जिसमें वे नरेन्द्र मोदी का नाम ही ऐन वक्त पर भूल गए और फिर उनके स्टाफ ने उनकी मदद की। इस भूल को छिपाने की कोशिश में ही शायद जो बाइडेन ने भारत के आकार और आबादी को लेकर टिप्पणी की। कारण जो भी हो, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति का यह व्यवहार किसी भी नजरिए से अंतरराष्ट्रीय मर्यादा के अनुकूल नहीं था। नरेन्द्र मोदी ने भी बाइडेन की इस टिप्पणी के बाद हंसते हुए केवल थैंक यू कह दिया, जबकि कायदे से उन्हें उसी वक्त पूरी शिष्टता और सौम्यता के साथ बता देना चाहिए था कि दुनिया में भारत का स्थान क्या है। अगर नरेन्द्र मोदी ऐसा करते तो इससे भारत की मजबूत छवि दुनिया के सामने बनती। अफसोस कि श्री मोदी ने इस मौके को गंवा दिया। अगर श्री मोदी की जगह राहुल गांधी होते और वे इसी तरह थैंक यू बोलते तो भाजपा के नेता इस पर राष्ट्रव्यापी हंगामा खड़ा कर चुके होते कि राहुल गांधी ने देश का अपमान होने पर शुक्रिया कहा। अब देखना होगा कि नरेन्द्र मोदी के थैंक यू को भाजपा नेता किन दलीलों के साथ सही ठहराते हैं।वैसे बात केवल भारत के प्रधानमंत्री को सही या गलत साबित करने की नहीं है, यह मसला पूरे देश की साख के साथ जुड़ा है। अभी हाल ही में जिस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने रूस के राष्ट्रपति के सामने बैठकर श्री मोदी की यूक्रेन यात्रा का ब्यौरा प्रस्तुत किया था, वह भी एक तरह से भारत का अपमान ही था। हमारी संप्रभुता को चुनौती थी। यह और अजीब बात है कि अभी अपने अमेरिका दौरे में फिर से श्री मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की से भेंट की। क्या अब फिर से किसी को दूत बनाकर व्लादीमीर पुतिन के सामने बैठाया जाएगा या खुद नरेन्द्र मोदी इस बार अपनी सफाई पेश करेंगे, यह देखना होगा।

अमेरिका या दुनिया के किसी भी देश में जाकर मोदी-मोदी के नारे लगवाना और प्रवासी भारतीयों के मुंह से मोदी की तारीफ और भारत के अमृतकाल की तारीफ करवाना भाजपा की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन इस रणनीति में भारत की विदेश नीति को ठेस न पहुंचे, यह जिम्मेदारी भी सत्तारूढ़ दल होने के नाते भाजपा की है। लेकिन भाजपा और नरेन्द्र मोदी दोनों इसमें चूक रहे हैं। अभी अमित शाह के बांग्लादेशी घुसपैठियों के बयान पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जो आपत्ति दर्ज कराई है, वह भी विदेश नीति में की जा रही भूल का नतीजा है। पाठकों को याद होगा कि 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तो सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को विशेष तौर पर आमंत्रित किया था, ताकि आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आए। किंतु बीते 10-11 बरसों में श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान सभी के साथ कई ऐसे प्रसंग हो चुके हैं, जिनसे परस्पर संदेह का माहौल बना है। इसमें दोष केंद्र सरकार का ही है, लेकिन अब भी भाजपा नेता इस मामले में समझदारी का परिचय नहीं दे रहे हैं। झारखंड चुनावों में भाजपा ने घुसपैठियों के मुद्दे को अहम बनाया हुआ है, इसी के तहत पिछले दिनों भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को चुन-चुनकर झारखंड के बाहर भेजने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी।

इन आंकड़ों पै कौन न मर जाये अय खुदा

@ राकेश अचल
*****

इस देश में अब सब कुछ चौंकाने वाला हो रहा है। चुनाव पूर्व सर्वे हों या मतदान के बाद के सर्वे। सब चौंकाने वाले होते है। सर्वे गलत हों या सही, लेकिन कोई इसके लिए जिम्मेदार नहीं होता। सर्वे का काम लोगों को भरमाना और अपने प्रायोजक का नफा-नुक्सान देखना भर होता है। सर्वेक्षणों के झूठ-सच पर निगाह रखने के लिए देश में कोई नियामक आयोग नहीं है। अब एक नया सर्वे आया है पीरियोडिक लेबर फोर्स के इस सर्वे के मुताबिक हमारा प्यारा मध्यप्रदेश अकेला ऐसा प्रदेश हैं जहां बेरोजगारी न के बराबर है यानि मात्र 1 फीसदी।

नेशनल सेंपल सर्वे ऑफिस द्वारा जुलाई 2023 से जून 2024 के लिए जारी पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की सालाना रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट (एलएफपीआर) 2023-24 के दौरान सात साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई ह। ये सर्वे किसी गोदी मीडिया का नहीं है बल्कि सरकार का है इसलिए इसके ऊपर ऊँगली उठाने में भी संकोच होता है, लेकिन इस सर्वे के नतीजे हकीकत और अफसाने जैसे हैं, इसलिए उँगलियाँ अपने आप उठाई जाती हैं।

दरअसल इस सर्वे की रिपोर्ट जारी करने के समय को लेकर ही पहला सवाल उठाया जा सकता है कि ये सर्वे हरियाणा विधानसभा के चुनावों के ठीक ११ दिन पहले आया है। सर्वे का दावा है की देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में घटी है,अर्थात सबसे ज्यादा रोजगार हरियाणा ने दिए हैं। रिपोर्ट कहती हैकि 2023 -2024 में हरियाणा में बेरोजगारी दर ३ दशमलव 4 फीसदी है जो बीते साल 6 प्रतिशत से ज्यादा थी। जाहिर है की ये रिपोर्ट साबित करना चाहती है कि हरियाणा की डबल इंजिन की सरकार ने बीते साल में हरियाणा में सबसे जयादा रोजगार मुहैया कराये हैं।

सर्वे रिपोर्ट पर आप यकीन करें या न करें ये अलग बात है लेकिन सरकार तो अपना काम कर रही है, सर्वे के मुताबिक एक साल में इसमें 2.7 फीसदी की गिरावट आई है। हरियाणा से ज्यादा गोवा 9.7 फीसदी के बाद देश में सबसे ज्यादा थी। ये गिरावट देश के किसी भी अन्य राज्य के मुकाबले सबसे ज्यादा है। साल 2023-24 में गोवा में बेरोजगारी दर देश में सबसे ज्यादा 8.5 फीसदी है। केरल में ये 7.२ फीसदी है। वहीं, देश की औसत बेरोजगारी दर 3.2 फीसदी है।

सर्वे तो कहता है कि मध्य प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां बेरोजगारी दर 1 फीसदी से भी कम यानि (0.9%) फीसदी है।यानि मध्यप्रदेश युवाओं कि लिए रोजगार कि मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है इस सूची में दूसरे नंबर पर गुजरात (1.1)फीसदी और तीसरे पर झारखंड (1.3) फीसदी है।यानि मध्य प्रदेश और गुजरात की डबल इंजिन की सरकारों ने तो रोजगार देने में कमाल ही कर दिया है। मुझे याद आता है कि मध्यप्रदेश विधानसभा में भी मप्र की सरकार ने भी कुछ-कुछ इसी तरह के आंकड़े दिए थे। मध्य प्रदेश सरकार का दावा है कि 2023 की तुलना में मई 2024 तक 9,90,935 बेरोजगारों की संख्या कम हो गई है। सरकार दावा करती है कि पिछले साल 35 लाख 73 हजार बेरोजगार थे, जबकि इस साल मई 2024 की स्थिति में यह संख्या घटकर 25 लाख 82 हजार हो गई है। जबकि ताजा आर्थिक सर्वे में ये आंकड़ा 33 लाख से कुछ ज्यादा हैं।

अब सवाल ये है कि जनता इन आंकड़ें पर यकीन करे या जमीनी हकीकत देखे ? आंकड़े कुछ और कहते हैं और जमीनी हकीकत कुछ और है। एलएफपीआर को जनसंख्या में काम करने वाले या काम की तलाश करने वाले या काम के लिए उपलब्ध लोगों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है। पीएलएफएस की सालाना रिपोर्ट, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को कवर करती है, ने दिखाया कि महिलाओं के लिए एलएफपीआर 2023-24 में बढ़कर 41.7 फीसदी हो गया, जो पिछले साल 37 फीसदी था।

सरकारी आंकड़े धोखा देते हैं या हकीकत बयान करते हैं ये कहना कठिन काम है क्योंकि इन्हें झुठलाने के लिए जिन आंकड़ों की जरूरत है वे भी सरकार के ही पास होते हैं, लेकिन जनता को पता है की आंकड़े कितने हवा -हवाई हैं और कितने असली ? देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों का लेबर पार्टिसिपेशन रेट राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

आप हैरान होंगे ये जानकर किसिक्किम का लेबर पार्टिसिपेशन रेट यानी राज्य की कुल आबादी में काम करने या काम खोजने वाले लोग सबसे अधिक 60.5 फीसदी हैं। यहां महिलाओं की हिस्सेदारी 55 फीसदी और पुरुषों की 65 फीसदी है। हालाँकि इस लिस्ट में डबल इंजिन की सरकार वाला बिहार 29 प्रतिशत के साथ सबसे नीचे है। इसके बाद यूपी (33.8) प्रतिशत और झारखंड (34.6) प्रतिशत का नंबर आता है। कुल आबादी में काम करने वालों की संख्या यानी वर्कर पॉपुलेशन रेश्यो देखें तो सिक्किम (58.2) प्रतिशत सबसे ऊपर है। छत्तीसगढ़ (51.3) प्रतिशत दूसरे पर है। लेबर पार्टिसिपेशन रेट के मामले में 11 प्रमुख राज्यों की सूची में छत्तीसगढ़ (52.8) प्रतिशत कि मान से शीर्ष पर है।

इस रिपोर्ट कि आंकड़े क्या हरियाणा में हांफती भाजपा को कुछ लाभ पहुंचा पाएंगे ? मुझे लगता है कि शायद नहीं, क्योंकि इन आंकड़ों को प्रचारित कर लाभ लेने का मौका हाथ से निकल चुका है। हरियाणा में मुद्दा बेरोजगारी से जायदा भाजपा का कुशासन है। मजे की बात ये है कि इस सर्वे में जम्मू-कश्मीर कि आंकड़े नजर नहीं आते जबकि वहां एक लम्बे समय से राष्ट्रपति शासन है और वहां बेरोजगारी कम करने की जिम्मेदारी सीधे-सीधे केंद्र सरकार की है। मुझे याद आता है कि केंद्र सरका ने पिछले साल माना था कि जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है।

गृह मंत्रालय ने राज्यसभा को बताया था कि जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी दर 18.3 प्रतिशत है। यह जेके प्रशासन द्वारा शुरू किए गए कई प्रयासों और पहलों के बावजूद है। गृह राज्य मंत्री ने राज्य सभा में बताया था कि ह्रराष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के परिणामों से, अप्रैल-जून 2021 की अवधि के लिए विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर में शिक्षित युवाओं के लिए बेरोजगारी दर का अनुमान उपलब्ध नहीं था। जुलाई 2020-जून 2021 के दौरान एनएसएसओ द्वारा आयोजित पीएलएफएस, जम्मू और कश्मीर के लिए 15-29 वर्ष आयु वर्ग के व्यक्तियों के बीच सामान्य स्थिति के अनुसार बेरोजगारी दर का अनुमान 18.3 प्रतिशत था।

बहरहाल देश की जनता कि सामने आंकड़ों की इस भूल-भुलैया में भटकने कि अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है, लेकिन मुझे लगता है की - ये पब्लिक है, ये सब जानती है। इसे झूठे-सच्चे आंकड़ों की बाजीगरी से भरमाया नहीं जा सकत। यदि ऐसा होता तो जून २४ में आया जनादेश कुछ और हो होता। मुझे यकीन हैं की ये आंकड़े सरकार और सरकारी पार्टी कि किसी काम आने वाले नहीं हैं।

पालिटेक्निक कॉलेज रीवा में दो नवीन ब्रांच प्रारंभ होने पर उप मुख्यमंत्री का किया गया अभिनंदन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि देश के नवनिर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। इंजीनियर के बिना कोई भी कार्य संभव नहीं है अत~ऐसी शिक्षा ग्रहण करें जिससे आपकी सब जगह पूंछ परख हो क्योंकि अच्छे कार्य का हमेशा मूल्यांकन होता है। श्री शुक्ल का शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रीवा में सिविल व मैकेनिकल ब्रांाच प्रारंभ कराने के लिये अभिनंदन किया गया तथा उनके प्रति शिक्षकों, छात्रों व उपस्थित जनसमुदाय ने ह्मदय से कृतज्ञता व्यक्त की।

डॉ. कल्पना चावला शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय रीवा में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवीन संकाय खोले जाने पर विद्यार्थियों व शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय में नवीन ब्रांाच बायोटेक्नालॉजी खोले जाने के साथ ही भवन, छात्रावास भवन, फर्नीचर सहित अन्य आवश्यक जरूरतों की पूर्ति प्राथमिकता से की जायेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के लिये धन की कमी नहीं है आवश्यकता है कि इच्छा शक्ति व सोच सकारात्मक हो। उन्होंने महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्रों से कहा

कि शिक्षित होकर देश, समाज व क्षेत्र के विकास के लिये कार्य करें क्योंकि वास्तविक जीवन वही है जो दूसरों के काम आये। उन्होंने युवा पीढ़ी का आह्मवान किया कि नशे से दूर रहे क्योंकि नशा नाश की जड़ है। युवा को ही युवाओं को इससे बचाने का बीड़ा उठाना होगा। उन्होंने सुखी व खुशहाल रीवा बनाने में सभी के सहयोग का भी आह्मवान किया। इससे पूर्व महाविद्यालय की प्राचार्य निशा पाण्डेय ने स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने महाविद्यालय में बायोटेक्नालॉजी संकाय खोलने तथा अन्य आवश्यक जरूरतों की ओर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का ध्यान आकृष्ट किया। उल्लेखनीय है कि जिले में औद्योगिक विकास एवं युवाओं के रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने तथा कुशल मैनपावर की पूर्ति के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के विशेष प्रयासों से महाविद्यालय में दो नवीन संकाय सिविल व मैकेनिकल प्रारंभ किये गये हैं। इन संकायों में 12 व्याख्याताओं की स्वीकृति भी मंत्रि परिषद द्वारा की गयी है। महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्राचार्य द्वारा सिविल इंजीनयरिंग के विद्यार्थियों के लिये लिखित पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व पार्षद सतीश सिंह, समाजसेवी परमजीत सिंह ड़ंग, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. संदीप पाण्डेय सहित प्राध्यापक, पूर्व प्राध्यापक, गणमान्य नागरिक तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

रीवा बाईपास सात मीटर सर्विस रोड के साथ बनेगा फोरलेन

फोरलेन सड़क निर्माण की सभी तैयारियाँ 31 अक्टूबर तक पूरी करने के निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा बाईपास बहुत महत्वपूर्ण सड़क है। इसके फोरलेन में चौड़ीकरण का कार्य स्वीकृत हो गया है। डिवाइडर के साथ फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। सड़क के दोनों ओर सात मीटर चौड़ाई की सर्विस लेन बनेगी जिससे आसपास के गांव के वाहनों को आवागमन के लिए फोरलेन में न जाना पड़े। इसमें चोरहटा में फ्लाईओवर बनाया जाएगा जिससे बाईपास से गुजरने वाले वाहन सीधे हाईवे पर चले जाएं। शहर में जाने वाले वाहनों को सर्विस रोड से चोरहटा मॉडल रोड में प्रवेश मिलेगा। फोरलेन सड़क का निर्माण नवम्बर माह में शुरू करने के लिए 31 अक्टूबर तक सड़क निर्माण से जुड़ी सभी तैयारियाँ पूरी कर लें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गोपद नदी पर टू लेन पुल का निर्माण पूरा हो गया है। इसकी टेस्टिंग पूरी करके दो अक्टूबर से इसे आवागमन के लिए बहाल करें।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण एजेंसी आवश्यक उपकरणों की तैनाती एक माह में करा ले। सड़क निर्माण के लिए मिट्टी, पत्थर, मुरूम, रेत आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। निर्माण कार्य को 12 माह की समयावधि में पूरा करने का प्रयास करें। बैठक में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अधिकारियों ने बताया कि फोरलेन बाईपास रोड निर्माण की तैयारियाँ की जा रही हैं। निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा किया जाएगा। सड़क की फिलिंग के लिए मिट्टी के साथ-साथ फ्लाईएश का भी उपयोग किया जाएगा। बैठक में नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, कमिश्नर बीएस जामोद, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, अपर कमिश्नर अरूण परमार, संबंधित अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रिटायर फौजी के सूने घर में अज्ञात चोरों ने दिन-दहाड़े बोला धावा, दो लाख रूपये नकदी सहित ले उड़े सोने-चॉदी के आभूषण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दुआरी में दिन-दहाड़े चोरी की घटना हुई है। यहां रिटारयर्ड फौजी के घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया है। जहां से चोरों ने दो लाख रूपये नकदी सहित सोने-चॉदी के आभूषण ले उड़े हैं। घटना दिनांक को घर के सभी सदस्य घर में ताला लगाकर रिश्तेदारी में चले गये थे। जब शाम को घर लौटे तो पाया कि घर का ताला टूटा है। घर के अंदर जाकर देखा तो घर का पूरा सामान बिखरा था। पीड़ित ने पूरे ममाले की शिकायत चोरहटा थाने में की है। चोरहटा पुलिस मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना करके चोरों की पतासाजी में जुटी हुई है। 2 लाख नकदी सहित ले गये सोने-चॉदी के आभूषण-पीड़ित माताशरण पाठक निवासी लूक भनिगवां, हाल मुकाम दुआरी थाना चोरहटा बताते हैं कि वह 21 सितम्बर को पूरे परिवार सहित घर में ताला लगाकर सुबह लगभग 10 बजे अपनी रिश्तेदारी में धरी मोहरबा चले गये थे। जब वह घर लौटे तो पाया कि घर का ताला टूटा हुआ हैं। घर के अंदर जाकर देखा तो घर का पूरा सामान बिखरा हुआ था। घर के अंदर रखी आलमारी को तोड़कर अज्ञात चोर 2 लाख रूपये नकदी सहित सोने-चॉदी के आभूषण ले गये हैं। उन्होंने चोरी की घटना की शिकायत चोरहटा पुलिस में दर्ज कराई है। मौके पर पुलिस पहुंची हैं। समीप ही लगे सीसीटीव्ही की मदद से चोरों की पतासाजी कर रही है।

सीसीटीव्ही में दिखे चोर- चोरहटा पुलिस की माने तो दुआरी गांव में चोरी की घटना हुई हैं। समीप ही लगे सीसीटीव्ही की मदद से चोरों की पतासाजी की जा रही हैं। सीसीटीव्ही में दो अज्ञात बाइक सवार युवक नजर आये हैं। आशंका है कि इन्ही बाइक सवार युवकों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। इन अज्ञात बाइक सवार युवकों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। जिनके पकड़ में आते ही चोरी का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मौका मुआयना किया गया है। चोरी का मामला कायम करके जांच की जा रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा होगा।

पटवारी की कारगुजारी से आक्रोशित ग्रामीण, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, हल्के से हटाने की उठाई मांग

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। शहर के हुजूर तहसील अंतर्गत निपनिया हल्का पटवारी की कारगुजारी से परेशान ग्रामीणों आज कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां उन्होंने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा और पटवारी को हल्का से हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारी की कार्यप्रणाली से वह काफी परेशान है। पटवारी द्वारा उनका किसी भी प्रकार का कार्य नहीं किया जाता है। पटवारी गांव में जाते नहीं हैं। जब वह काम लेकर पटवारी के घर पहुंचते हैं तो काम को लेकर टाल-मटोल किया जाता है। पटवारी की कार्यप्रणाली से वह तंग हो चुके हैं। वर्तमान पटवारी उनके हल्के में पिछले कई साल से पदस्थ है। जिन्हें हटाकर किसी अन्य पटवारी को उनके हल्के में पदस्थ किया जाये।

क्या कहते हैं कि ग्रामीण- ग्रामीण डॉ. अनूप तिवारी का आरोप है कि ग्राम निपनिया हल्का में पटवारी अर्चना पटेल पिछले 4 सालों से पदस्थ हैं। मैंने अपनी पत्नी और खुद के नाम एक जमीन ली। जिसके नामांतरण के लिए मैं पिछले 6 से 8 महीने से पटवारी का चक्कर लगा रहा हूं। लेकिन

पटवारी द्वारा उनका नामांतरण नहीं किया गया। जब उन्होंने पूरे मामले की शिकायत तहसीलदार और सीएम हेल्प लाइन में की, तब जाकर उनका नामांतरण हो सका। जो बेहद शर्म की बात है। श्री तिवारी का कहना है कि शासन का साफ आदेश है कि किसी जमीन का नामांरण 15 दिन के अंदर करके देना है। वह कहते हैं कि शासन का नियम है कि कोई भी पटवारी किसी भी हल्के में 3 साल से ज्यादा समय तक नहीं रह सकता है। लेकिन अर्चना पटेल राजनीतिक रसूक के कारण पिछले 4 साल हल्के में पदस्थ हैं और खुलेआम मनमानी करती हैं।

44 लोगों ने की शिकायत- पटवारी अर्चना पटेल के खिलाफ निपनिया हल्का के अब तक 44 लोग शिकायत कर चुके हैं। जिनके कई तरह के प्रकरण पेंडिंग हैं। पटवारी द्वारा इनका काम नहीं किया जा रहा है। ग्रामीण पटवारी के खिलाफ तहसीलदार, सीएम हेल्प लाइन आदि जगह शिकायत की जा चुकी हैं। लेकिन कहीं उनकी सुनवाई नहीं हो रही हैं। पटवारी की कारगुजारी से परेशान आज निपनिया के ग्रामीण लामबंद हुए और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और पटवारी को हल्का से ट्रांसफर किये जाने की मांग की।

मैहर में नवरात्रि के दौरान मांस-मछली विक्रय पर रोक

मैहर। जिले में 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक शारदेय नवरात्रि मेला संचालित रहेगा। मध्यप्रदेश शासन पर्यटन विभाग द्वारा घोषित धार्मिक नगरी में मां शारदा देवी के दर्शन के लिए देश के कोने-कोने से लाखों की संख्या में श्रृद्धालु मैहर आते है। नवरात्रि मेला के दृष्टिगत एसडीएम मैहर विकास सिंह ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत सम्पूर्ण नगर पालिका क्षेत्र में 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर की मध्य रात्रि तक मांस-मछली और अण्डे के क्रय-विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश का उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत दण्डनीय होगा।

गर्भ गृह में वीआईपी दर्शन की व्यवस्था रहेगी प्रतिबंधित- मैहर में 3 अक्टूबर से चलने वाले शारदेय नवरात्रि मेले के दौरान श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए मां शारदा मंदिर के गर्भ गृह के अंदर से वीआईपी दर्शन की व्यवस्था पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगी। मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार प्रशासक मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति मैहर ने सार्वजनिक सूचना जारी कर दी है। प्रशासक ने इस दौरान प्रबुद्धजनों एवं गणमान्य नागरिकों से मां शारदा देवी के दर्शन एवं व्यवस्था के लिए वीआईपी सुविधा की मांग नहीं करने का अनुरोध किया है।

ग्राहक पंचायत धूमधाम, हर्षोल्लास से मनायेगा स्वर्ण जंयती समापन समारोह

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ग्वालियर जिले की बैठक आयोजित की गई बैठक के प्रारंभ मे प्रांत अध्यक्ष श्री विजय गंभीर जी ने ग्राहक पंचायत संगठन की कार्यप्रणाली पर चर्चा की ,उन्होंने ग्राहक पंचायत की उपलब्धियो की जानकारी बैठक मे उपस्थित कार्यकर्ताओ को दी ,प्रांत सचिव श्री लोकेंद्र मिश्रा जी ने बताया की ग्राहक पंचायत की स्थापना 1974 मे ग्राहक जागरूकता,ग्राहक संरक्षण हेतु शोषण मुक्त समाज की स्थापना के उद्देश्य के साथ की गई थी ,तभी से संपूर्ण भारतवर्ष मे ग्राहक पंचायत सक्रिय रूप से ग्राहक हित मे कार्यरत है 2024 मे ग्राहक पंचायत को 50 वर्ष पूर्ण हो रहे है इस उपलक्ष्य मे संगठन ने संपूर्ण भारतवर्ष मे इस वर्ष को स्वर्ण जंयती वर्ष के रूप मे मनाया इस दौरान वर्षभर 37 प्रांतो मे ग्राहक जागरूकता,सायबर क्राइम जागरूकता,प्रबुद्धजन गोष्ठी,ग्राहक जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम किए गए ,वर्ष के अंत मे सभी प्रांतो मे स्वर्ण जंयती समापन समारोप कार्यक्रम किये जाना है इस दौरान मध्यभारत प्रान्त भी ग्वालियर मे 16 अक्टूबर को बहुत धूमधाम हर्षोल्लास के साथ स्वर्ण जंयती समापन समारोप आयोजित करेगा ,,प्रांत संगठन मत्री श्री दिनेश भागवत जी बैठक मे संगठन की सदस्यता कैसे बढे इस पर सभी को मार्गदर्शन दिया। इस दौरान राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमति आशा सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष श्री देवी सिंह राठौर,,प्रांत सह प्रचार प्रमुख श्री गजेंद्र इग्लैं,,प्रांत पर्यावरण प्रमुख श्री सुशील भदौरिया,प्रांत स्वरोजगार प्रमुख श्रीमति प्रिंयका राजावत जी,जिला सहसचिव डॉ राहुल शर्मा, जिला महिला प्रमुख श्रीमति सुधा बेस,सहप्रमुख श्रीमति स्नेहलता शिवहरे,डॉ संतोष श्रीवास्तव, डॉ के के अग्रवाल, श्री प्रशांत शर्मा,मुरार इकाई अध्यक्ष श्री संजीव श्रीवास्तव, श्री एम पी सिंह, श्री भारत प्रजापति, श्रीमति प्रीती भदौरिया, श्रीमती माधवी सिंह, श्रीमती सरिता पाठक,श्रीमति कमला मिश्रा,आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे,

डेंगू मलेरिया से बचने के बताये उपाय, डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में की फॉगिंग

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। बारिश के मौसम में मच्छर जनित संक्रामक एवं डेंगू मलेरिया इत्यादि बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा निरंतर फॉगिंग एंव कीटनाशक दवाओं का छिडकाव किया जा रहा है। इसी के तहत अब निगम द्वारा योजना बनाकर प्रत्येक वार्ड में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिडकाव किया जा रहा है तथा आमजन को डेंगू मलेरिया से बचने के उपाय भी बताए जा रहे हैं। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव एवं डॉ. अनुज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव के निर्देश पर शहर के सभी वार्ड की गलियों एवं मोहल्लों में निरंतर साफ-सफाई एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है। जिसके तहत आज पुष्कर कॉलोनी फेस-2, एयरपोर्ट परिसर सीआईएसएफ यूनिट, वार्ड 52 नादरिया माता रोड परसोत्तम का खेत गली नम्बर 9, वाड्र 61 सिरोल, वाड्र 55 सरदार बाग की हवेली पहाडिया, राजवीर स्कूल के पीछे तपोवन वाली गली, दीनदयाल नगर, शताब्दीपुरम, आनंद नगर, विनय नगर, गोलपहाडिया आदि क्षेत्रों में फॉगिंग कराई गई।

पोर्टल पर छात्राओ के पंजीकरण की प्रकि्या प्रारम्भ की गयी

आगरा जनपद की तहसील एत्मादपुर के कस्बा आंवलखे?ा स्थित माता भगवती देवी राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत समर्थ पोर्टल पर छात्राओ के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। उक्त रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश शासन व आगरा विश्वविद्यालय द्वारा अनिवार्य रूप से कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के आदेश के अनुपालन में प्रत्येक छात्रा का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। बी.ए. तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की छात्राये दिनाँक 27/09/24 एवं 28/09/24 को महाविद्यालय में रजिस्ट्रेशन हेतु आवश्यक रूप से सम्पर्क करें। पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के पश्चात ही छात्रायें सेमेस्टर परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगी। पंजीकरण हेतु छात्रा को पूर्व सेमेस्टर की अंकतालिका, मोबाइल न0 एवमं ईमेल लाना आवश्यक होगा। मोबाइल न0 एवं ईमेल पर ह्ळअक्क जाने के पश्चात ही रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण हो सकेगी। यह जानकारी महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ यशोधरा शर्मा ने दी।

नेहा ककड़

संग तलाक की खबरों पर पति Rohanpreet Singh ने तोड़ी चुप्पी, कहा- बात उसी की होती है जिसमें बात होती है

नेहा ककड़ और रोहनप्रीत सिंह ने साल 2020 में आनंद कराज सेरेमनी में शादी की थी. दोनों दिल्ली के एक गुरुद्वारे में शादी के बंधन में बंधे. कपल की शादी को चार साल होने वाले हैं और पिछले दिनों ऐसी अफवाहें सामने आईं कि वे तलाक लेने जा रहे हैं. रोहनप्रीत ने अब आखिरकार इन अफवाहों पर खुलकर बात की है और इसका असल सच बताया है.इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में नेहा ककड़ संग तलाक की खबरों पर रोहनप्रीत सिंह ने रिएक्ट किया. उन्होंने कहा- रूमर्स तो रूमर्स ही हैं, वो सच थोड़ी हैं, वो तो बस बनाई गई बातें हैं. कल कोई कुछ कहेगा, परसो कोई कुछ बोलेगा, तो उसे आपको अपने पर्सनल रिश्ते पर असर नहीं होने देना चाहिए.

हमारी जो लाइफ चल रही है उसे...

रोहनप्रीत सिंह ने आगे कहा- मुझे लगता है कि ऐसी बातें आपको एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देनी चाहिए. या तो आप सुनो ही मत. आप सोचो ही मत कि कोई ऐसी चीज बोल भी रहा है. ये लोगों का काम है, उनको करने दो अगर उन्हें मजा आ रहा है ये करके. हमारी जो लाइफ चल रही है उसे हम अपने हिसाब से जीते हैं. तो दोनों अलग-अलग होने चाहिए. बात उसी की होती है जिसमें कोई बात होती है, तो बात होती रहनी चाहिए जिससे पता चलता है कि आ ग्रो कर रहे हैं.

लंबे समय से आ रही थीं तलाक की खबरें

बता दें कि लंबे समय से खबरें आ रही थीं कि नेहा ककड़ और उनके पति रोहनप्रीत सिंह के बीच तकरार चल रही है. ऐसे में कपल तलाक लेने वाला है. लेकिन रोहनप्रीत ने अपने बयान से साफ कर दिया है कि उनकी मैरिड लाइफ में सबकुछ ठीक है और तलाक की खबरें सिर्फ अफवाहें हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है.

अगर मैं भजन की तरह बोलूंगा तोऽ Stree 2 के आइटम सॉन्ग 'आज की रात' पर बोले अमर कौशिक

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर 'स्त्री 2' ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिखाया. ये ब्लॉकबस्टर फिल्म अभी भी थिएटर्स में लगी हुई है और अच्छी कमाई कर रही है. फिल्म ने लोगों से खूब वाहवाही बटोरी. इसका गाना 'आज की रात' काफी वायरल हुआ था. अब हाल ही में अमर कौशिक ने इस गाने को लेकर बात की है और बताया है कि लोगों को लगता है आइटम नंबर है तो गंदे बोल ही होना चाहिए, जबकि ऐसा नहीं है.

डायरेक्टर अमर कौशिक ने 'स्त्री 2' के सॉन्ग 'आज की रात' को लेकर कहा कि आइटम सॉन्ग फिल्म के मेसैज को और भी बेहतर बना सकता है. उन्होंने कहा कि अक्सर आइटम नंबरों में फीमेल को ऑब्जेक्टिफाई करने के लिए क्रिटिसाइज किया जाता है, लेकिन उन्हें लगता है कि अगर सही तरीके से गाने को पेश किया जाए तो वो फिल्म को एक नई ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं.

फिल्म का मैसेज क्लियर होना जरूरी

कौशिक ने हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान अपने विजन के बारे में बताया. डायरेक्टर ने कहा, एक आइटम सॉन्ग वाली मसाला फिल्म' भी एक अच्छे कॉन्टेंट को बनाए रखती है. जब आप एक बड़े बजट की फिल्म बनाते हैं, तो आपको एक पूरा पैकेज देने की जरूरत होती है, जिसमें फिल्म में दिए मैसेज के बारे में क्लियर होना बहुत जरूरी है. उन्होंने कहा, हर डायरेक्टर को ये पता होना चाहिए कि वो फिल्म में क्या कहना चाहता है और क्या दिखाना चाहता है. लोगों को आइटम सॉन्ग पसंद आते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वो फिल्म की कहानी में फिट हों. हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोग आइटम सॉन्ग देखने के लिए भी थिएटर्स में आते हैं.

लोगों को लगता है आइटम सॉन्ग है तो गलत लिरिक्स हों

हालांकि, मैंने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि कहानी को क्वालिटी और सम्मान से कोई कॉम्प्रोमाइज किए बिना लोगों के सामने पेश करूं. ज्यादातर लोगों को लगता है आइटम सॉन्ग है तो गंदे बोल ही होने चाहिए, लेकिन मैं चाहता था कि गाना एंटरटेनिंग और फिल्म के हिसाब से फिट होना चाहिए, लेकिन गाने के लिरिक्स मीनिंगफुल होने चाहिए.

रणबीर और मैं दोस्त नहीं थे बल्कि...जूनियर NTR ने आलिया भट्ट के साथ अपने रिश्ते पर कही ये बात

जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर की फिल्म 'देवरा पार्ट 1' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. फिल्म के स्टार्स इन दिनों प्रमोशन में लगे हुए हैं. ऐसे में प्रमोशन के दौरान ही फैन्स को सरप्राइज देखने को मिल गया. देवरा के प्रमोशन के वक्त आलिया भट्ट भी शामिल हुईं. आलिया की अपकमिंग फिल्म जिगरा भी जल्द ही रिलीज होने वाली है. ऐसे में जूनियर एनटीआर ने आलिया और अपने रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए हैं. आलिया भट्ट और जूनियर एनटीआर के साथ इस इंटरव्यू का नाम देवरा का जिगरा रखा गया था. एक्टर ने कहा, मैं बॉम्बे में आलिया के अलावा किसी और दोस्त के बारे में सोच भी नहीं सकता था.प्रमोशन के दौरान एनटीआर ने कहा, मेरी और आलिया की दोस्ती के बाद मेरी और रणबीर की दोस्ती हुई है. इसलिए पहले रणबीर और मैं दोस्त नहीं थे बल्कि यह मैं और आलिया थे, जो दोस्त थे. आलिया से दोस्ती होने के बाद में मेरी और रणबीर की दोस्ती हुई. आलिया और जूनियर एनटीआर के साथ इस दौरान करण जौहर भी मौजूद थे. आलिया और जूनियर एनटीआर दोनों साथ मिलकर जिगरा और देवरा का क्रॉस प्रमोशन कर रहे हैं. दोनों फिल्में जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. जिगरा 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने जा रही है. वहीं देवरा 27 सितंबर को.

जिगरा का ट्रेलर हुआ था रिलीज

हाल ही में जिगरा का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था. फिल्म की कहानी, भाई-बहन के रिश्ते पर आधारित है. फिल्म में आलिया ताबड़तोड़ एक्शन करती नजर आ रही हैं. जिगरा में आलिया भट्ट अपने भाई को बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती हैं. फिल्म में आलिया ने सत्या का किरदार निभाया है. वहीं उनके भाई का किरदार वेदांग रैना ने निभाया है. जिगरा में आलिया एक बहन नहीं बल्कि बड़ा भाई बनकर अपने सारे फर्ज निभाती हैं.

भारत के कोस्टल एरिया पर है बेस्ड देवरा

वहीं दूसरी ओर जूनियर NTR, जान्हवी कपूर और सैफ अली खान स्टारर फिल्म देवरा पार्ट 1 का 10 सितंबर को ट्रेलर लॉन्च हुआ था. इस फिल्म से जान्हवी कपूर साउथ फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं. फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में हैं. इस फिल्म को कोराताला शिवा ने लिखा है. इसके अलावा उन्होंने इसे डायरेक्ट भी किया है. ये फिल्म भारत के कोस्टल एरिया पर बेस्ड है. फिल्म में 1980 और 1990 के समय को दिखाया गया

कोलार के मूलनिवासियों का संघर्ष दिखाती है फ़िल्म थांगलान।

डॉ तबस्सुम जहां

भारत के कर्नाटक राज्य का कोलार क्षेत्र जो सोने की खदान के लिए मशहूर है उस क्षेत्र के मूलनिवासी उसके पूर्वजों के खून से सने इतिहास को थांगलान फिल्म में दिखाया गया है। फिल्म दिखाती है कि कैसे अंग्रेज़ और ज़मींदार वहाँ के मूलनिवासियों को लगान, ब्याज और जुर्माना लगा कर उनकी ही ज़मीन से उन्हे बेदखल कर रहे हैं। दूसरे ब्राह्मणवाद और उससे उपजी वर्णव्यवस्था ने भी उनकी हालात दयनीय कर दी हैं। फिल्म की कहानी शुरू होती है एक असुर नाग जाति के थांगलान परिवार से। थंगलान का अर्थ होता है 'सन ऑफ गोल्ड' और फ़िल्म की कहानी भी सोने पर आधारित है। फिल्म का काल ब्रिटिश पीरियड मे 1850 के आस पास दिखाया गया है।फ़िल्म में दिखाया गया है कि मूलनिवासियों को उनके पुरखों की ज़मीन से बेदखल करके या तो उन्हे खदेड़ा जा रहा या उसी भूमि पर हमेशा के लिए गुलाम बनाया जा रहा है। मूलनिवासियों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने के लिए उनके ही व्यक्तियों की मदद लेना, धोखे और झूठ से उनकी ज़मीन हड़प लेना, मूलनिवासियों का शोषण, ज़मीन और जंगल को बचाने की जद्दोजहद फ़िल्म थांगलान में देखी जा सकती है।

थांगलान अपने परिवार के साथ गॉव में रहता है और अपनी छोटी-सी भूमि में खेती करता है, गॉव का ज़मीदार उसके खेत में आग लगवाकर उसकी ज़मीन पर कब्ज़ा कर लेता है। वह मान सम्मान से अपने और अपने परिवार के साथ रहना चाहता है। इसलिए अंग्रेज़ अफसर के साथ सोना ढूंढने निकल पड़ता है। फ़िल्म मे दिखाया गया है कि आरथी जो कि एक मायावी स्त्री है वह मायावी शक्ति के रूप मे सोने की भूमि की रक्षा करती है। वह अपनी माया और जादू से अपनी भूमि को बाहरी लोगो से सुरक्षित रखती है। आरथी की मायावी सोने की चट्टान अभेद है जिसे कोई भेद नहीं सकता। जो भी इस क्षेत्र मे आता है वह उसे मौत के घाट उतार देती है। कभी सांपो के ज़रिए कभी तूफानो के ज़रिए कभी काले बाघ के ज़रिए।थांगलान अपनी बच्चो को अपने परदादा कोडियानी की कहानी सुनाता है कि वो नदी से कैसे सोना निकालते थे, उसी नदी के पार दूर हाथी की तरह एक पहाड़ है वहाँ सोने की चट्टाने हैं। फ़िल्म मे सोने को पाने के लिए दो अंग्रेज़ अफसर कोलार के ही कुछ पारंपरिक लोगो की मदद लेते हैं। इस टकराव मे पानी की तरह खून बहता है और थांगलान और उसके साथियो को अच्छी खासी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।

फ़िल्म का अंत बहुत दिलचस्प है और जीत कही ना कही मूलनिवासियों की दिखाई गई है जो की आभासी ज्ञान पड़ती है।

फ़िल्म निर्देशक पा. रंजीत द्वारा निर्देशित थंगालान के जी एफ (कोलार गोल्ड फील्ड) फ़िल्म देखते हुए लगता है जैसे किसी पौराणिक जगत या उनकी कहानियों की सैर कर रहे हों। पौराणिक और आज़ादी से पहले की जनजातिए घालमेल को डायरेक्टर ने बखूबी फिल्माया है। फ़िल्म के अनेक दृश्य बहुत लाजवाब बन पड़े हैं।फ़िल्म में जातिगत भेदभाव दिखाया गया है इसमे ब्राह्मण वाद का विरोध और बुद्ध के प्रति आसक्ति दिखाई गई है। इसमे चोलराजाओं, टीपूसुल्तान और अंग्रेज़ सभी को विदेशी बताया है जो सोना चुराने की कोशिश करते रहे हैं। फ़िल्म की सबसे खास बात यह है कि इसमें मूलनिवासी को बुद्ध से जोड़ा गया है, और बताया गया है कि कैसे उनके ईष्ट बुद्ध को नष्ट किया गया। उनकी संस्कृति को नष्ट किया। फ़िल्म मे आरथी बार-बार थांगलन के सपनों में आती रहती है जो असल मे ईसा से 500 साल पहले थांगलान की पत्नी ही थी। दोनों पति-पत्नी मिलकर पहले सोने की रक्षा करते थे लेकिन थांगलान भटक गया और इसी वजह उसे सैकड़ो साल से जातिगत भेदभाव झेलने पड़े। इसके अलावा इसमे थांगलान का बेटा अशोक है जो सम्राट अशोक की ओर इशारा करते हुए मेटाफर की तरह से दिखाया गया है क्योंकि वो बुध्द की मूर्ति निकालता है उसका सिर जोड़ता है।

आरथी बार- बार थांगलान को सचेत करती है और वापस जाने को कहती है। थंगलान इसे दिमागी वहम समझता है।साउथ इंडस्ट्री के सुपरहीरो विक्रम अपनी बेहतरीन अभिनय और गज़ब के परफॉर्मेंस की वजह से जाने जाते हैं फ़िल्म 'अपरिचित' और 'आई' में उनके किए किरदार हॉलीवुड को टक्कर देते हैं। इस बार थांगलान फ़िल्म में भी विक्रम अपने अभिनय और लुक की वजह से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं। आदिवासी बने विक्रम अपने लुक की वजह से इस फ़िल्म में कभी ब्रह्मराक्षस तो कभी अघोरी का भी एहसास कराते हैं। विक्रम ने थांगलान में गज़ब की जीवंत एक्टिंग की है। एक ही फ़िल्म में वह अनेक किरदारों में नज़र आए हैं। अपनी

5 लोगों ने साफी से गला घोंटकर मारा

मारपीट का वीडियो पुलिस को सौंपा फिर भी नहीं की कार्रवाई

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -शिवपुरी जिले के बामौरकलां थाना क्षेत्र के खिशलौनी गांव से मृतक के परिजन और रिश्तेदारों ने एसपी ऑफिस पहुंचकर दर्ज कराई शिकायत एडिशनल एसपी संजीव मूल ने पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा को दिए जांच के निर्देश

शिवपुरी जिले के बामौरकलां थाना क्षेत्र के खिशलौनी गांव से एक युवक की संदिग्धावस्था में मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव नदी किनारे एक पेड़ पर साफी से बने फांसी के फंदे पर लटका मिला था।मृतक के परिजनों ने इस मामले में गांव के 5 लोगों पर जमीनी विवाद के कारण युवक की मारपीट कर गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया था। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी थी। लेकिन एक सप्ताह गुजर जाने के बाद भी पुलिस की जांच आगे नहीं बड़ी इससे परेशान मृतक के परिजनों ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एडिशनल एसपी संजीव मूले से मुलाकात न्याय की गुहार लगाई जिस पर एडिशनल एसपी ने पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा को मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दो बत्ती तिराहे पर चला नगर पालिका का अतिक्रमण मुहीम,शहर में जगह जगह पर बना हुआ है धन्ना सेठों का पक्का अतिक्रमण

नहीं हो पा रही कार्रवाई,गरीबों पर चल रहा नगर पालिका का डंडा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -शिवपुरी जिले में नगर पालिका मैं जब से नए सीएमओ साहब का आगमन हुआ है तब से लगातार अतिक्रमण पर कार्यवाही हो रही है लेकिन हर बार गाज गरीब की झोपड़ी पर ही गिरती है जहा पूरे शहर में मैन चौराहे से लेकर गलियों में तक अतिक्रमण पसरा हुआ है जिस पर न ही तो ने नवेले सीएमओ का ध्यान जा रहा है और न ही इतने सालो से नगर पालिका अध्यक्ष की नजर पहुंच पा रही है जैसा की आज नगर पालिका सीएमओ ने दो बत्ती और फिजिकल तिराहे पर अतिक्रमण हटाओ का अभियान चलाया जिसने सिर्फ और सिर्फ गरीब ठेले वाले चाय वालो के टपरे और छोटी छोटी गुमटी तोडी

गई जबकि अपने मिलने वाले और रसूख दार लोगो को छोड़ कर गरीबों के ऊपर नगर पालिका की हिटेची चली नगर पालिका सीएमओ को पोहरी बस स्टेंड के पास लगा स्थाई अतिक्रमण आज दिनांक तक न ही नगर पालिका सीएमओ को दिखाई दिया है और न ही जो इतने दिनों से पोहरी बस स्टैंड को चारों तरफ से घेर रखा हुआ है जहां दुकानों के आगे 20-20 फीट तक अतिक्रमण किया रखा है वही सुबह से लेकर दोपहर दोपहर तक एमएम हॉस्पिटल चौराहे पर इतना अतिक्रमण होता है कि निकालना ही मुश्किल पड़ जाता है और श्याम होते ही लाइन से इतनी ठेले लग जाते हैं की लोगों को निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ता है जो सीएमओ की नजरो से दूर है

हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना चाहिए इसमें कोताही न बरतें प्रभारी मंत्री ने की विभागों की समीक्षा

पत्रकार हरिओम परिहार

शिवपुरी, / ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गुरुवार को जिले के भ्रमण पर आए। उन्होंने भ्रमण के बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, कोलारस विधायक महेंद्र सिंह यादव, पूर्व विधायक सुरेश राठखेड़ा, जिला अध्यक्ष राजू बाथम, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि 2 अक्टूबर को शिवपुरी में कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभ वितरण किया जाएगा। संबंधित विभागीय अधिकारी तैयारी करें। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि जिन विभागों में हितग्राही मूलक योजनाएं हैं वह कोताही न बरतें। शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन के हितग्राही परेशान न हों। विधवा पेंशन के प्रकरण में मृत्यु प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में एसडीएम तहसीलदार प्रमाण पत्र जारी करें। जिससे पेंशन प्रकरण स्वीकृत हो सके।प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। न केवल स्वच्छता पखवाड़े में बल्कि स्वच्छता अभियान लगातार सक्रिय रहना चाहिए। नगर पालिका नगर परिषद द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय से जन चौपाल आयोजित करें और जन भागीदारी से इस अभियान को सार्थक बनाएं। स्ट्रीट लाइट के संबंध में भी निर्देश दिए हैं मुख्य चौराहा मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट खराब ना रहे। बैठक में अभी अतिवृष्टि के कारण हुई फसल क्षति और राहत राशि के संबंध में भी चर्चा की गई। खाद की उपलब्धता के संबंध में भी प्रभारी मंत्री ने जानकारी ली और कहा कि एनपीके खाद को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जानकारी दें। जन जागरूकता के लिए प्रचार प्रसार कराएं। जिला चिकित्सालय के संबंध में भी चर्चा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन को निर्देश दिए हैं सफाई कर्मी अपनी ड्रेस में रहे। इसके अलावा सुरक्षा की व्यवस्था भी सुदृढ़ रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कर्मी की तैनाती की जाए।

गुमसुदा महिला को दस्तयाब कर उसके पति को सुपुर्द किया पुलिस द्वारा महिला को 750 किलोमीटर दूर रोबर्ट गंज (सोनभद्र)उत्तर प्रदेश के गांव से उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से बरामद किया है

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी --पुलिस अधीक्षक महोदय अमन सिहं राठौड़ अतरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के निर्देशन में एवं एसडीओपी करैरा शिवनारायन मुकाती के निर्देशन में गुम महिला, पुरुष व बच्चों को खोज कर उनके परिवार जन को सुपुर्द करने का अभियान चलाया जा रहा है । थाना करैरा की टीम ने थाना करैरा टी आई विनोद सिंह छावई के नेतृत्व में गुम युवती को खोजकर उसके पति को सुपुर्द किया है । पुलिस थाना करैरा में फरियादी राजेंद्र जाटव निवासी सरकारी अस्पताल के पास करैरा ने रिपोर्ट की उसकी पत्नी उम्र 24 वर्ष दिनांक 30/9/24 को घर से बिना बताए कहीं चली गई है । पुलिस थाना करैरा में गुमसुदगी क्रमांक 73/24 पंजीबद्ध कर तलाश की तो लोकेशन ग्राम नधीरा थाना बभनी जिला रोबर्ट गंज (सोनभद्र) उत्तर प्रदेश मिलने पर पुलिस थाना करैरा की टीम ने वहां जाकर गुम महिला को खोज कर करैरा लाकर उसके पति को सुपुर्द किया । महिला ने बताया कि फेसबुक के फ्रेंड से मोबाइल फोन पर बात करने पर लड़ाई हो गई थी इसी कारण वह पति से नाराज होकर फेसबुक के फ्रेंड मनोज कुमार आदिवासी से मिलने बैंगलोर चली गई बाद में उसी के साथ उसके गांव नधीरा सोनभद्र पहुंच गई । पुलिस थाना करैरा की टीम ने करैरा से 750 किलोमीटर दूर जाकर गुम युवती को बरामद किया । पुलिस थाना करैरा की टीम में एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान , प्रधान आरक्षक दुर्गा चरण शर्मा व एनआरएस गीता शामिल रही।गुम युवती को खोजने में थाना बभनी जिला रोबर्ट गंज (सोनभद्र) उत्तर प्रदेश के टीआई सदानंद राय ,प्रधान आरक्षक भरत यादव ,प्रदीप कुमार सिंह, आरक्षक सुधीर कुमार सिंह महिला आरक्षक मिथलेश पाल ने भरपूर सहयोग किया ।

निवाड़ी बीएमओ का शर्मसार करने वाला मामला सामने आया डॉक्टर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

निवाड़ी जिले के बी.एम.ओ आर.सी मलारिया एवं शिखा पुरोहित एक तरफ धंधा चल रहा है। शिखा पुरोहित जो डाटा एंट्री के पद पर पदस्थ है। शिखा के कहने पर यहां पूरा स्टॉफ का फैरबदल हो जाता है वैसे अगर माना जाये तो बी.एम.ओ की गर्लफ्रेंड है इनका संबंध बहुत दिनों से है। शिखा पुरोहित, 10 दिन भी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होती है। इनकी अनुपस्थिति नहीं मानी जाती है। बी.एम.ओ. शिखा पुरोहित के इशारे पर पूरा हॉस्पिटल वालों से काम कराता है। यहां की स्टॉफ नर्स, वार्ड बायें, आया डॉक्टर सब डरते है। शिखा को इस बात का डर बिल्कुल नहीं है कि कोई उसकी शिकायत करें क्योकि खुद अधिकारी उसकी गर्लफ्रेंड है।ऐसी भ्रष्ट कर्मचारियों का रहना बच्चियों के साथ उनके साथ गलत काम करना और अपने पद के रहते हुए उनके साथ दबाव बनाना शोषण करना उनको डराना धमकाना ऐसे **अधिकारियों को तत्काल नौकरी से बर्खास्त किया जाए**-शिखा पुरोहित अपनी मनमानी करती है जो स्टॉफ अच्छे से काम करते है, बी.एम.ओ सब उनके खिलाफ कार्यवाही करते है।

अगर शिखा ने बोल दिया कि ऐसा होना है वहीं काम इनके इशारे पर होते जा रहा है ऐसे ही उसकी मनमानी चलती जा रही है।इनके चाचा सुनील वाजपेयी जो इनके ड्राइवर हैं इनकी अस्पताल में गाड़ी चलती हैं।

इनके चाचा पूरा साथ देते है क्योंकि ये पंडित है. बी.जे.पी के लोग है मगर पार्टी के यह नहीं बोलती है कि आप किसी का गलत करो अगर समाज के नाम से बी.जे.पी चलती है, तो देश का क्या होगा उनका खुद का स्कूल है।शिखा के पेट में बी. एम.ओ का बच्चा भी रहा है उनकी जांच की जाये शिखा के पेट मे जब बच्चा आया तो सिखा का डी.एन.सी. झांसी के शीला हॉस्पिटल में हुआ। इनकी हकीकत पूरा स्टॉफ को मालूम है अगर इनके खिलाफ कोई आवाज उठाता है, तो ये उनको धमकी देकर शांत कर देती है कि निवाड़ी जिले क्या 5 जिले में दिखाई नहीं दोंगे तुम, इन लोगों के साथ बड़े 2 अधिकारी शामिल है। तथा डा बीएओ जी का फर्जी नस बन्दी का आपरेशन हुआ है इसकी सरकार जाए कराय और दोषियों के ऊपर कार्य बाही की जाए ऐसी भ्रष्ट कर्मचारियों का रहना बच्चियों के साथ उनके साथ गलत काम करना और अपने पद के रहते हुए उनके साथ दबाव बनाना शोषण करना उनको डराना धमकाना ऐसे अधिकारियों को तत्काल माननीय मुख्यमंत्रीमहोदय नौकरी से बर्खास्त किया जाए

जिला चिकित्सालय विद्युत सबस्टेशन और रैन बसेरा का लिया जायजा

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। ऊर्जा मत्री और शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर आज रात के समय शिवपुरी में कई स्थानों पर औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। उन्होंने जिला चिकित्सालय, विद्युत सब स्टेशन और रैन बसेरा का निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री ने जिला चिकित्सालय में निरीक्षण करते हुए वहां मरीजों से चर्चा की और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जाना। जिला चिकित्सालय के आईसीयू वार्ड सहित अन्य वार्डों का जायजा लिया और मौके पर उपस्थित सिविल सर्जन को अस्पताल की व्यवस्थाओं में और सुधार के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलनी चाहिए। सभी चिकित्सक अपनी ड्यूटी पर तैनात रहे और मरीजों के साथ सही व्यवहार रखें। यह निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय में साफ सफाई का भी जायजा लिया और गंदगी देख प्रभारी मंत्री ने स्वयं सफाई की। स्वच्छता का संदेश देते हुए अस्पताल प्रबंधन और सफाई कर्मियों को सख्त निर्देश दिए हैं। स्वच्छ वातावरण स्वस्थ वातावरण के लिए बहुत जरूरी है, इसलिए गंदगी नहीं रहना चाहिए। सफाई कर्मी प्रतिदिन अपनी ड्यूटी के समय सक्रियता से साफ सफाई पर ध्यान दें। उन्होंने शिवपुरी रैन बसेरा का भी निरीक्षण किया और रैन बसेरा में अन्य सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश एसडीएम शिवपुरी को दिए हैं। इसके अलावा प्रभारी मंत्री अपने रात्रि विजिट के दौरान विद्युत सब स्टेशन का निरीक्षण करने भी पहुंचे। उन्होंने 132 केवी सबस्टेशन का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों कर्मचारियों से चर्चा की और निर्देश भी दिए हैं कि विद्युत संबंधी शिकायत नहीं मिलना चाहिए। लोगों को बेहतर सुविधाएं मिले यही हमारा उद्देश्य है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश-प्रभारी मंत्री ने मौके पर उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था का भी ध्यान रहे। यहां अस्थाई पुलिस चौकी है जहां निर्धारित समय पर ड्यूटी पर पुलिसकर्मी तैनात रहे।

हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना चाहिएइसमें कोताही न बरतें- श्री तोमर, प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री ने की विभागों की समीक्षा

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गुरुवार को जिले के भ्रमण पर आए। उन्होंने भ्रमण के बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, कोलारस विधायक महेंद्र सिंह यादव, पूर्व विधायक सुरेश राठखेड़ा, जिला अध्यक्ष राजू बाथम, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि 2 अक्टूबर को शिवपुरी में कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभ वितरण किया जाएगा। संबंधित विभागीय अधिकारी तैयारी करें। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि जिन विभागों में हितग्राही मूलक योजनाएं हैं वह कोताही न बरतें। शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन के हितग्राही परेशान न हों। विधवा पेंशन के प्रकरण में मृत्यु प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में एसडीएम तहसीलदार प्रमाण पत्र जारी करें। जिससे पेंशन प्रकरण स्वीकृत हो सके। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। न केवल स्वच्छता पखवाड़े में बल्कि स्वच्छता अभियान लगातार सक्रिय रहना चाहिए। नगर पालिका नगर परिषद द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय से जन चौपाल आयोजित करें और जन भागीदारी से इस अभियान को सार्थक बनाएं। स्ट्रीट लाइट के संबंध में भी निर्देश दिए हैं मुख्य चौराहा मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट खराब ना रहे। बैठक में अभी अतिवृष्टि के कारण हुई फसल क्षति और राहत राशि के संबंध में भी चर्चा की गई। खाद की उपलब्धता के संबंध में भी प्रभारी मंत्री ने जानकारी ली और कहा कि एनपीके खाद को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जानकारी दें। जन जागरूकता के लिए प्रचार प्रसार कराएं। जिला चिकित्सालय के संबंध में भी चर्चा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन को निर्देश दिए हैं सफाई कर्मी अपनी ड्रेस में रहे। इसके अलावा सुरक्षा की व्यवस्था भी सुदृढ़ रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कर्मी की तैनाती की जाए।

झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक सील, बीएमओ की कार्रवाई से मचा हड़कंप*

जिला ब्यूरो मुरैना
पोरसा से अजय सिंह तोमर की रिपोर्ट

पोरसा। जिला सीएमओ के आदेश पर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. शैलेंद्र सिंह तोमर ने धनेटा रोड पर झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो क्लीनिक सील कर दिए। जांच के दौरान दोनों डॉक्टरों के पास न तो कोई मेडिकल डिग्री पाई गई, न ही चिकित्सा प्रैक्टिस करने का कोई वैध अधिकार था। इस कार्रवाई के दौरान बीएमओ की टीम में संदीप त्यागी, बृजमोहन सिंह तोमर, रनजीत सिंह कुशवाहा, और बड़े सिंह तोमर शामिल थे। जांच में पाया गया कि डॉक्टर विशंभर दयाल सिसोदिया और डॉक्टर नेकराम कौशल बिना किसी वैध प्रमाण के मरीजों का इलाज कर रहे थे। इसके बाद टीम ने दोनों के क्लीनिक को तुरंत सील कर दिया। बीएमओ डॉ. शैलेंद्र सिंह तोमर ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था, और यह समस्या लगातार समाचार पत्रों में उजागर हो रही थी। जिला प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की, और इसे आगे भी जारी रखा जाएगा। केवल उन्हीं डॉक्टरों को प्रैक्टिस करने की अनुमति होगी, जिनके पास मान्य डिग्री और प्रमाणपत्र होंगे। गैरकानूनी रूप से प्रैक्टिस करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में रिपोर्ट भेजी जाएगी। इस कार्रवाई से पोरसा के झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मचा हुआ है, और प्रशासन की सख्ती से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

शिवपुरी जिले में प्रभारी मंत्री जी द्वारा किया अस्पतालों का औचक निरीक्षण,

जिला अस्पताल में साफ- सफाई न होने एवं पोहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पोषण आहार में गड़बड़ी पाये जाने पर एफआईआर दर्ज कर की गयी कार्यवाही

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- दिनांक 25.09.2024 की रात्रि 12:00 बजे पश्चात् प्रभारी मंत्री शिवपुरी श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा जिला चिकित्सालय शिवपुरी का निरीक्षक किया गया जहाँ पर अस्पताल भवन एवं परिसर में गंदगी व साफ सफाई न होने के कारण अस्पताल के अधिकारियों को संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्यवाही के निर्देश दिये गये।जिस पर से जिला अस्पताल शिवपुरी के सिविल सर्जन श्री बी एल यादव की द्वारा जिला अस्पताल में साफ सफाई की जांच की गयी जिसके आधार पर श्री आशीष चौहान जिला अस्पताल सहायक प्रबंधक द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर से आऊट सोर्स कम्पनी (ठेका मालिक), सिग्मा इन्फोटेक भोपाल के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 271, 272 भारतीय न्याय संहिता का अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कम्पनी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि अस्पताल में साफ-सफाई समय-समय पर हो एवं गंदगी न फैले, परन्तु कम्पनी इसमें असफल रही जिससे जनमानस में बीमारियां फैलने की संभावना बढ़ रही है।रात्रि में ही प्रभारी मंत्री जी द्वारा पोहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया जहाँ पर मरीजो, प्रसुताओं को मिलने वाले पोषण आहार के संबंध में बाड़ों का निरीक्षण किया गया तो भर्ती प्रसुताओं में से राजकुमारी पत्नी गणेश आदिवासी निवासी मङ्गखेडा, ललिता पत्नी अनारसिंह आदिवासी निवासी ग्राम दोरानी द्वारा शिकायत की गई कि उन्हें पोषण आहार लड्डू वितरण नहीं किया गया है एवं कई दिनों से प्रसुताओ को पोषण आहार नहीं दिया गया है तो प्रभारी मंत्री जी द्वारा अस्पताल के अधिकारियों को संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्यवाही के निर्देश दिये हैंजिस पर से खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोहरी श्री दीक्षांत गुधोनिया के द्वारा जांच की गयी उक्त जांच के आधार पर ठेकेदार दशरथ गोस्वामी निवासी स्वालीपुरा द्वारा कई दिनों से प्रसुताओं को पोषण आहार का वितरण न किया जाकर उसकी राशि का गवन लाभ कमाने के लिए बेईमानी से उपयोग किये जाने से थाना पोहरी पर धारा 318 (4) भारतीय न्याय संहिता का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

खुर्द गांव में बैसली नदी के पुल के पास नहाने गया किशोर की पानी में डूबा,किशोर की तलाश जारी

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद थाना क्षेत्र अंतर्गत खुर्द गांव में बैसली नदी के पुल के पास नदी में गुरुवार की शाम लगभग 5 बजे कान्हा उर्फ अनुज पुत्र जीतेंद्र शर्मा उम्र लगभग 15 वर्ष निवासी खुर्द नहाने गया था।इसी दौरान वह पानी में डूबे गया। वहीं पास में नहा रहे दूसरे नाबालिग किशोर ने कान्हा उर्फ अनुज को डूबता देख आसपास के लोगों को घटना बताई।घटना की सूचना लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।तथा काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए।और सभी गोताखोरों ने कान्हा उर्फ अनुज को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन शाम 7 बजे तक कहीं भी पता नहीं चल सका।अंधेरा होने के कारण गोताखोरों ने ढूंढना बंद किया।पिछले दिनों हुई तेज बारिश के कारण बैसली नदी में तेज बहाव था।जो कि अब थोड़ा कम बहाव हो गया है। नाबालिग किशोरी कान्हा उर्फ अनुज शर्मा अपने पिता जीतेन्द्र शर्मा की अकेला पुत्र था।जो कि लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद भी पानी में नहीं मिल सका।रात अधिक होने से सुबह दोबारा रेस्क्यू कर तलाश की जावेगी

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

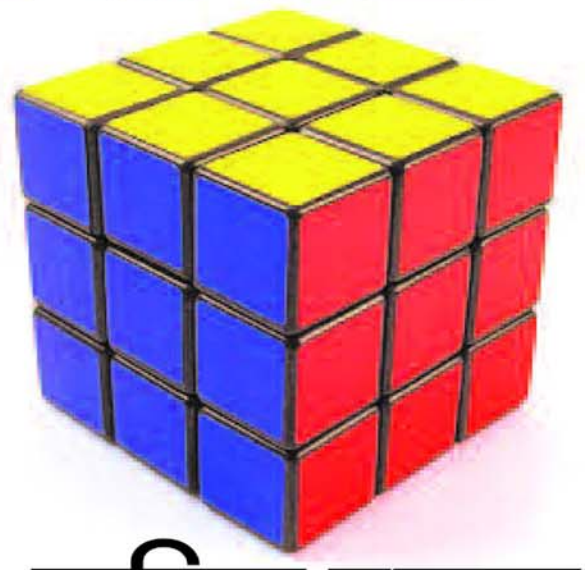

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

न्यूज ट्रैक

शहीद शैलेंद्र सिंह तोमर कि शहीद सम्मान के साथ की अंत्येष्टि

ग्वालियर-/- श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के जवान शैलेंद्र सिंह तोमर ग्राम मुंगावली मेहगांव की सिर की नस फट जाने के कारण आकस्मिक निधन हो गया आज उनके गृह निवास शताब्दीपुरम दीनदयाल नगर स्थित श्मशान घाट में शहीद सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई इस दुखद समय पर उनको सीआरपीएफ जवानों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं वहां के निवासियों के द्वारा पुष्प वर्षा कर को नम आंखों से शहीद विदा किया गया

जय इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साईसेज एण्ड रिसर्च में आज वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

ग्वालियर फार्मेसी डे पर महाविद्यालय में फार्मा क्विज, पोस्टर

मैकिंग, ओरल प्रेजेन्टेशन एवं रंगोली जैसी प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ-चढकर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के पूजन से हुई। रंगोली प्रदर्शनी में प्रवेश अहिरवार, स्वप्नमोए विश्वास, आंचल पाण्डेय की टीम विजेता रही। पोस्टर प्रेजेन्टेशन प्रतियोगिता में मनसमनी, राजकुमार, रूपसिंह की टीम विजेता रही। रंगोली एवं पोस्टर प्रेजेन्टेशन प्रतियोगिता में जजमेंट के लिये श्रीमती सपना अविनाश कोन्डलकर, रिसर्च आफिसर, सी.सी.आर.ए.एस. मिनिस्ट्री आफ आयुष ग्वालियर उपस्थित रहीं। ओरल प्रेजेन्टेशन में प्रथम स्थान पर रिया सेंगर द्वितीय स्थान पर भूमिका साहू एवं तृतीय स्थान पर राजेश राठौर रहें व फार्मा क्विज में आशु कुमार, अरूण सिंह, अब्दुल खॉन की टीम विजेता रहीं। ओरल प्रेजेन्टेशन एवं फार्मा क्विज में जजमेंट के लिये वरिष्ठ फार्मेसी प्रोफेसर डॉ. सुबोध कुमार दुबे उपस्थित रहें।

महाराजा अग्रसेन मेला में सजीव दरबार होगा आकर्षण

ग्वालियर। श्री अग्रवाल महासभा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय अग्रसेन मेले का आयोजन

भव्यता के साथ किया जाएगा। इसके लिए गत दिवस आयोजन मंडल की बैठक में कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया।महासभा के अध्यक्ष अशोक गोयल, महामंत्री नरेंद्र सिंहल, कार्यक्रम संयोजक डॉ राकेश अग्रवाल एवं रवि कुमार गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय अग्रसेन मेला 7 एवं 8 अक्टूबर को जीवाजी क्लब में भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इसमें महिला एवं बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होंगी। मुख्य आकर्षण महाराजा अग्रसेन का सजीव दरबार होगा जिसमें राजसिंहासन पर समाज के व्यक्ति को महाराजा बनाकर बैठाएंगे।साथ ही उनके 18 पुत्र गौत्र के रूप में रहेंगे। 7 अक्टूबर को गरबा डांडिया की मनमोहक प्रस्तुति रहेगी। इसके लिए महिला एवं युवतियों का प्रशिक्षण किडीज कार्नर स्कूल में दिया जा रहा है। इसके साथ ही दरबार में छप्पन भोग सजाए जाएंगे। भोग प्रसाद के कूपन के साथ प्रत्येक व्यक्ति को महाराजा अग्रसेन जी की तस्वीर भी दी जाएगी। बैठक में अरविंद दूदावत,हरीबाबू गोयल, महेंद्र अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रामनाथ अग्रवाल,दिलीप अग्रवाल,मोहन गर्ग, सुनील अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

डेंगू का शहर में पसरता डंक चिकित्सकों की सलाह से करें इलाज

बुखार के साथ-साथ जोड़ों में दर्द और आंखों के साथ शरीर में खुजली हो रही हो ऐसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत चिकित्सक को दिखाएं मेडिसिन विशेषज्ञः डॉ मुकेश सिंह

ग्वालियर-/* शहर में इस समय एक बीमारी जोर-सोर से अपनी रफ्तार पकड़ रही है उस बीमारी का नाम है डेंगू ग्वालियर शहर में डेंगू का असर विकराल रूप ले चुका है। जिला अस्पताल मुरार में पदस्थ मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ मुकेश सिंह तोमर के द्वारा बताया गया कि मरीज तेज बुखार के साथ जिला अस्पताल मेडिसिन के ओपीडी में दिखाने आ रहे हैं। जांच करने पर प्लेट्स कम हो रहे साथ ही शरीर पर लाल चिकते नजर आ रहे हैं यूं तो पहले भी डेंगू के मरीज देखने में आते थे परंतु आजकल के मरीजों को तेज बुखार के साथ खांसी हो रही है जब मरीज की सिटी स्कैन टेस्ट है तो उसमें निमोनिया के लक्षण मिल रहे हैं यह निमोनिया असाधारण निमोनिया है जो पहले कोरोना के मरीजों में मिलता था अधिकतर ऐसे केसेसो मे ऑक्सीजन लेवल गिर रहा है और मरीजों को आईसीयू की आवश्यकता पड़ रही है इसके अलावा मरीजों को बुखार के साथ-साथ जोड़ों में दर्द और आंखों आंखों के साथ-साथ शरीर में खुजली देखने को मिल रही है जब किसी व्यक्ति को ऐसे लक्षण पाए जाते हैं तो मरीज को तुरंत चिकित्सक को दिखाना चाहिए और जल्द से जल्द दवाई शुरू कर देना चाहिए

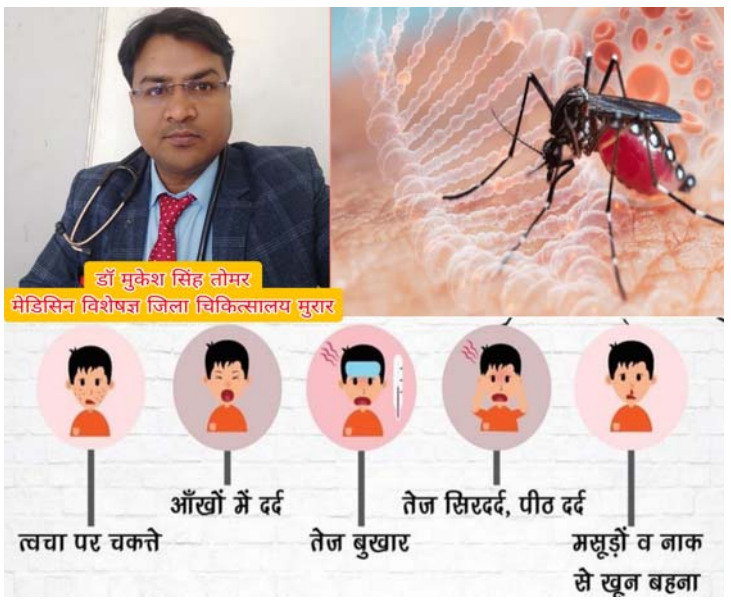

सलाह -डेंगू भी एक कोरोना की तरह एक वायरस इंफेक्शन है इसमें सिंम्टोमेटिक ट्रीटमेंट चलाया जाता है मरीज को ध्यान रखना चाहिए कि वह बाहर की चीजो को खाने से परहेज करना चाहिए
और घर का खाना खाना चाहिए
व सुबह शाम गर्म पानी का गरारा करना चाहिए

डॉ मुकेश सिंह तोमर
एमडी मेडिसिन
जिला चिकित्सालय मुरार ग्वालियर

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से लिए खाद्य पदार्थों के नमूने

ग्वालियर प्रभारी कलेक्टर विवेक कुमार के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश कुमार शर्मा ने पंतजलि स्टोर का संचालन कर रही फर्म बृन्दा इन्टरप्राइजेज पता तुलसीविहार सिटीसेन्टर का निरीक्षण किया। निरीक्षण उपरांत पंतजलि मूँगदाल धुली व छिलका, उडद धुली, चना दाल एवं मलका मसूर के नमूने लिये।फर्म मिनी मार्ट सिटीसेन्टर का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश धाकड ने टाटा सम्पन्न ब्राण्ड के तुअर दाल, मूँगदाल, मसूर दाल, उडद दाल एवं राजमा के नमूने लिये। फर्म फादर एवं डॉटर्स सिटीसेन्टर का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी गोविन्द नारायण सरगैयां ने अमृतिका ब्राण्ड के चना दाल, मूँग साबूत, उडद साबूत, राजमा साबूत, चना साबूत के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता ने फर्म रावलदास टू मार्ट फूलबाग ग्वालियर और फर्म सन्तराम फकीरचन्द माधोगंज लश्कर का निरीक्षण कर दोनों फर्मो के मालिकों से पॉच प्रकार की दालों के नमूने लिये।खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा लिये नमूनों को जाँच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जायेगा। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

मालनपुर डॉक्टर शोप फ़ैक्ट्री चौराहे पर हुआ डंफ़र और मोटरसायकल में भीषण एक्सीडेंट में हुई युवक की मौत

गुस्साए परिजनों ने दो बार लगाया हाइवे पर जाम

मालनपुर सीपीटी हॉटलाइन से आ रहे तेज रफ़्तार डंफ़र ने मोटरसायकल चालक को टक्कर मारी दी। वही मोके पर MP07 HB 6791 डंफ़र ड्राइवर वही उतरकर भाग गया मोके से और घायल को डंफ़र के नीचे से निकाल कर गोहद अस्पताल में भेजा। मोटर सायकल चालक का नाम सूरज माहोर पिता मायाराम माहोर ग्राम लहचूरा मालनपुर बताया गया है। जानकारी के अनुसार सूरज माहोर पुत्र मायाराम माहौर निवासी लहचूरा अपने घर से ग्वालियर अस्पताल में खाना देने के लिए जा रहा था। तभी अचानक डॉक्टर शॉप फैक्ट्री के पास डंपर क्रमांक MP07 HB 6791 ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे सूरज माहोर गंभीर रूप से घायल हो गया ।घायल को डायल हंड्रेड की मदद से गोहद

अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने सूरज को मृत घोषित कर दिया इसके बाद परिजनों ने जाम लगाने का प्रयास किया जिसे पुलिस की समझाइश के बाद जाम खोल दिया गया पुलिस में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों के सुपुर्द किया।परिजनों ने दोबारा जाम लगा दिया जो लगभग तीन घंटे तक लगा रहा।मृतक के शव को रखकर लगभग तीन घंटे तक लगाए रखा जाम- डंपर ने बाइक में टक्कर मरने से घायल सूरज की मौत होने पर परिजनों ने पोस्टमार्टम करा कर शव को कैडबरी फैक्ट्री के सामने नहर के पास भिंड ग्वालियर हाईवे पर रख लिया और लगभग 3 घंटे तक जाम लगाए रखा एसडीएम पराग जैन एसडीओपी सौरभ कुमार एवं अन्य अधिकारियों की समझाइस के बाद भी परिजन नहीं माने इसके बाद पुलिस द्वारा की सख्ती अपनाते हुए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स बुलाया और जाम को खुलवाने का प्रयास किया।घटना से आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर उठाए लाठी डंडे-घटना को लेकर मालनपुर, गोहद,गोहद चोराहा,एण्डोरी थानों का पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा

स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम के तहत नेहरू युवा केंद्र एवं ग्राम पंचायत सिमरियाटाँका द्वारा सफ़ाई अभियान चलाया

ग्वालियर 25 सितंबर । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र ग्वालियर से संबंध गिर्द विकास युवा मंडल एवं ग्राम पंचायत सिमरिया टाँका द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व घाटीगांव श्री राजीव समाधिया एवं जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र ग्वालियर श्रीमती नेहा जादौन के निर्देशन में माय भारत के अन्तर्गत स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत सिमरिया टाँका परिसर एवं पी एम श्री विद्यालय में सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच श्रीमती सुप्रिया चौहान ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता की ओर कार्य की सराहना

की और कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के द्वारा ग्राम पंचायत में सभी स्थानों पर साफ सफाई कराई जा रही है।कार्यक्रम का संचालन गिर्द विकास युवा मंडल के संचालन श्री गजेन्द्र सिंह चौहान द्वारा किया गया। सभी युवा मंडल सदस्यों ने आम जन से स्वच्छता की अपील की और खुद भी अपने आस पास की जगहों पर स्वच्छता रखने की शपथ ली।कार्यक्रम में ब्लॉक कॉर्डिनेटर स्वच्छ भारत मिशन श्रीमती स्वाति गुप्ता, पी एम श्री विद्यालय के प्राचार्य श्री केशव चौधरी, पटवारी श्री दिनेश भोज, सचिव श्रीमती रजनी साहू, ग्राम रोजगार सहायक श्री गजेन्द्र रावत मंडल के कार्यकर्ता आदि समस्त युवाओं ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478